04 - बुजुर्गों के मानवाधिकारों के लिए राष्ट्रपति की चिंता के अर्थ

05 - सांस्कृतिक सम्मोहन में खींची, दुनिया की योगनियां

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024

06 - आरोप- भगवान भरोसे नहरों के हालात, नहरों की सफाई किये...

07 - गीता सर्व प्रवाहमान ज्ञान है, विश्व का सर्वोच्च ज्ञान गीता में है : संदीप शर्मा

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 75, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राज्यहित और लोकहित की प्रभावी जुगलबंदी

मोहन सरकार का एक साल

अजय बोकिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उनकी सरकार का पहला साल जनहितैषी फैसलों और विकास की राह पर तेजी से आगे ले जाने के भगीरथ प्रयासों का साल रहा है। वो प्रयास जिनमे राज्यहित और लोकहित की अनूठी जुगलबंदी है। रीजनल इन्वेस्टर्स समिट जैसी अभिनव पहल करके मोहन यादव ने जता दिया है कि विकास का उनका अपना विजन और रोड मैप है। पिछली सरकारों ने मप्र को जहां छोड़ा था, मोहन यादव सरकार की मेराथन रेस, उसी बिंदु से आगे और ज्यादा स्फूर्ति व ऊर्जा के साथ होने वाली है। उपलब्धियों का यह कैनवास बहुआयामी है, जो राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक तटों तक फैला है। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के साथ बदलाव की यह धार सरकार की सोच व अप्रोच में साफ झलकती है। साथ में उम्मीदें भी जगाती है। डॉ. मोहन यादव सरकार का पहला साल 13 दिसंबर को पूरा हो रहा है।

मोहन यादव सरकार के पहले साल को शिवराज सरकार के 18 साल बनाम यादव सरकार का एक साल के आईने में देखना भूल होगी। क्योंकि बीते एक साल में मध्यप्रदेश का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य, कार्य संस्कृति और अप्रोच एवं तकाजे न सिर्फ बदले हैं बल्कि इसने जनता की उम्मीदों के फलक को और व्यापक बना दिया है। इस कैनवास पर अगर डॉ. मोहन यादव सरकार का मूल्यांकन करें तो हमे उसे अव्वल नंबर ही देने होंगे। इन बारह महीनों में डॉ. मोहन यादव ने न सिर्फ राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक मोर्चों पर नई रफ्तार से आगे बढ़ने का स्पष्ट संदेश दिया है बल्कि पूर्ववर्ती शिवराज सरकार के कुछ विवादास्पद फैसलों को पलटने का साहस भी दिखाया है। त्वरित निर्णय और जनअपेक्षाओं के अनुरूप काम की दिशा तय करने सफल प्रयास मोहन यादव सरकार की बड़ी उपलब्धि है। सरकार द्वारा लिए गए तमाम फैसलों का निहितार्थ यही है कि मप्र के विकास की नाव भगवा लहरों पर सवार होकर दृढ़ संकल्पित आगे बढ़ती जाएगी। और वह बढ़ती दिख भी रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि सुशासन की राह में आने वाली सभी चुनौतियां खत्म हो गई हैं, लेकिन एक दिशा साफ नजर आने लगी है।

पहली बार और आलाकमान के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने वाले डॉ. मोहन यादव के समक्ष पहली चुनौती तो यही थी कि वो शिवराज की छाया से बाहर निकल अपनी एक नई और सार्थक छवि तैयार करें। यह तभी संभव था कि जब वो सरकार के वादों और फैसलों के त्वरित अमल की नई इबारत लिखें। अपनी सरकार के पहले ही फैसले में मोहन यादव ने हिंदुत्व एजेंडे पर आगे बढ़ने के साथ साथ नौकरशाही में यह स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार की मंशा और जनभावना के अनुरूप काम करेंगे तो ही पद पर टिक पाएंगे। गुना जिले में हुए बस हादसे के मामले में जिम्मेदार शीर्ष से लेकर जिले के अफसरों तक को तुरंत हटाना, इसी संकल्प का पहली मिसाल थी।

बीते एक साल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपलब्धियों का ग्राफ बहुआयामी है। अपने संयत और शांत स्वभाव के बावजूद वो यह संदेश देने में नहीं चूके कि कठोर फैसले करने से उन्हें कोई नहीं डिगा सकता। दूसरा, वो मामले को लटकाने की बजाए तेजी से फैसले लेने में भरोसा करते हैं। मोहन यादव की ये उपलब्धियां राजनीतिक, प्रशासनिक, आर्थिक और सामाजिक मोर्चों पर हैं। राजनीतिक रूप से उन्होंने अपना वर्चस्व पूरी तरह स्थापित कर लिया है। साथ में यह संदेश भी दिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच और अपेक्षाओं को जमीन पर उतारने में कोई कसर नहीं रहेगी। रोजगार को लेकर भी सरकार गंभीर नजर आ रही है। हालांकि भ्रष्टाचार रोकने, अपराध नियंत्रण, सरकारी तंत्र में कसावट व मप्र की आर्थिक सेहत को सुदृढ़ बनाने के मोर्चे पर अभी काफी कुछ करना बाकी है।

मोहन यादव का मुख्यमंत्री बनना मप्र की जनता के लिए सुखद आश्चर्य था, क्योंकि 2023 के विधानसभा चुनाव में शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में एंटी इनकम्बेंसी को मात देकर चौथी बार भाजपा की बंपर जीत के बाद उन्हीं की दावेदारी सबसे मजबूत मानी जा रही थी। लेकिन पार्टी आलाकमान ने मप्र की बागडोर नए हाथों में देने का मन बना लिया था। इसलिए सीएम पद के तमाम दावेदारों को दरकिनार करते हुए सत्ता मोहन यादव के हाथों में कमान सौंपी गई। जहां तक राजनीतिक मोर्चे के बात है तो मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा ने मप्र में पहली लोकसभा की सभी 29 सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। इसी तरह 3 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में से दो में भाजपा की सीटें बरकरार रखीं। लेकिन विजयपुर सीट वो कांग्रेस से छीन नहीं सके। प्रशासनिक स्तर पर मोहन यादव का काफी समय अपनी टीम बनाने में गया। बावजूद इसके उन्होंने शिवराज सरकार के कुछ फैसले जन भावना के अनुरूप पलटने में संकोच नहीं किया। जिसमें भोपाल और इंदौर में बीआरटीएस हटाने, भोपाल के विकास के लिए बने राजधानी परियोजना प्रशासन को फिर से जीवित करना तथा लगभग 20 साल पहले बंद किए गए राज्य सड़क परिवहन निगम को पुर्नजीवित करना शामिल है। मोहन यादव के समक्ष बड़ी चुनौती मप्र में विकास की रफ्तार तेज करने, अर्थव्यवस्था को सुधारने तथा रोजगार जुटाने की रही है। आर्थिक विकास और निवेश की दृष्टि से डॉ.मोहन यादव सरकार ने क्षेत्रीय निवेशक सम्मेलन करके एक नई और अभिनव पहल शुरू की है। इन सम्मेलनों में उद्योगों से बड़े पैमाने पर एमओयू हुए हैं। अगर ये जमीन पर उतरते हैं तो मप्र में रोजगार बड़े पैमाने पर सृजित होंगे। आर्थिकी को नई गति मिलेगी। इसी तरह सीएम ने विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए ब्रिटेन और जर्मनी की यात्रा की। जिसमें मप्र में 78 हजार करोड़ रू. के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनमें से एक प्रस्तावक को जर्मनी में ही जमीन आवंटन का आदेश जारी कर सीएम यादव ने सकारात्मक संदेश दिया है। इसके अलावा आगामी वर्ष 2025 को प्रदेशभर में उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाने, प्रदेश में पर्याप्त बिजली उत्पादन की दृष्टि से 41 हजार मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट के लिए कोयला आवंटन की मंजूरी, पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी जोड़ो परियोजना पर हस्ताक्षर, नई शराब नीति तैयार करने, धार्मिक नगरी उज्जैन में सिंहस्थ बायपास के लिए 701 करोड़ रू. की मंजूरी, महिलाओं को सरकारी नौकरी में 35 फीसदी आरक्षण, इंदौर-उज्जैन के बीच एक और ग्रीन फील्ड रोड बनाने को स्वीकृति आदि प्रमुख हैं। वैसे भी उज्जैन मोहन यादव का गृहनगर और देश की प्रमुख धार्मिक नगरी होने से उनकी प्राथमिकता में होना स्वाभाविक ही है। सामाजिक स्तर पर उन्होंने स्वयं को बहनो के 'भैया' के रूप में प्रोजेक्ट किया है। मुख्यमंत्री बनते ही मोहन यादव ने यह संदेश भी दिया था कि उनकी सरकार हिंदुत्व की राह पर ही चलेगी। इसके अलावा राज्य में गो सरंक्षण तथा सभी जिलों में गीता जयंती मनाने के अहम फैसले भी उन्होंने लिए। इसके अलावा कृष्ण भक्त होने के नाते मोहन यादव ने राम वन गमन पथ की तर्ज पर मप्र में कृष्ण पाथेय स्थल विकास की पहल भी की है।

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।

संपर्क-

9893699939

ajaybokil@gmail.com

मंदिर-मस्जिद विवाद पर कोई नया केस, आदेश या सर्वे नहीं

- प्लेसेस ऑफ वर्शिप मामले पर बोला सुप्रीम कोर्ट,केंद्र से मांगा जवाब
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मंदिर-मस्जिद विवादों पर आदेश न सुनाएं अदालतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट (एससी) ने उपासना स्थल अधिनियम, 1991 के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया है कि जब तक इन याचिकाओं का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक देश में इस कानून के तहत नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे। यानी अब मस्जिदों पर दावे वाले नए केस दाखिल नहीं होंगे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह इस एक्ट के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अपना हलफनामा दाखिल करे। अदालत ने केंद्र को चार सप्ताह में याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने केंद्र द्वारा याचिकाओं पर जवाब दाखिल किए जाने के बाद संबंधित पक्षों को प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। न्यायालय ने कार्यवाही में हस्तक्षेप का अनुरोध करने वाले मुस्लिम निकायों सहित विभिन्न पक्षों की याचिकाएं भी स्वीकार कर ली हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगले आदेश तक सर्वेक्षण के लिए कोई नया वाद किसी भी अदालत में दायर या पंजीकृत नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, अगले आदेश तक लंबित मुकदमों में अदालतें कोई प्रभावी अंतरिम या अंतिम आदेश पारित नहीं करेंगी।

'एक देश एक चुनाव' पर मोदी कैबिनेट की मुहर

अगले हफ्ते संसद में पेश हो सकता है यह बिल, पास हुआ तो 2029 तक एक साथ देशभर में चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक देश एक चुनाव को गुरुवार को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कैबिनेट से पास होने के बाद अब इस बिल को अगले हफ्ते संसद में पेश किया जा सकता है।

एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस कानून की वकालत करते हुए कहा था कि लगातार चुनाव देश की प्रगति में बाधा बन रहे हैं। सूत्रों ने यह दावा करते हुए बताया कि अगले हफ्ते बिल को संसद में पेश किया जा सकता है। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी के पास भेजा जाएगा। जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। इससे पहले सितंबर में कैबिनेट ने वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में जनकल्याण शिविर का शुभारंभ किया

फ्रीगंज एवं आस-पास के क्षेत्र को प्रमुख व्यापारिक, सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिए दिन रात कार्यरत है। उज्जैन के लिए होने वाले कार्य, संपूर्ण प्रदेश व देश का मान बढ़ाने वाले काम है। बारह ज्योतिर्लिंग में से सबसे प्रमुख ज्योतिर्लिंग बाबा श्री महाकाल के मंदिर में देश विदेश से आने वाले भक्तों की आने-जाने, रूकने की सुविधा, सिंहस्थ एवं जनता जनार्दन के लिए यह कार्य किए जा रहे हैं। वर्ष-2024 के सावन माह में देश विदेश से एक करोड़ से अधिक संत-महंत-श्रद्धालुओं ने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन लाभ लिए। उज्जैन में विकास के कार्य इतनी अधिक संख्या में आने वाले श्रध्दालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए किया जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव उज्जैन में फ्रीगंज रेलवे ओवर ब्रिज के भूमि पूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनकल्याण पर्व में सार्वजनिक कार्यक्रम 11 से 26 दिसम्बर तक होंगे। इसके साथ हर दिन नागरिकों को सौगात व हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में गीता जयंती से 26

जनवरी 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। अब नागरिकों को आयुष्मान कार्ड, संपत्ति कर, बिल्डिंग परमिशन, आधार कार्ड एवं इसके साथ 76 से अधिक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ 'आपकी सरकार आपके द्वार' आकर देगी। पहले 'आपका विधायक-आपके द्वार' से कार्य हमने किया अब 'आपकी सरकार-आपके द्वार' आकर एवं शिविरों के माध्यम से आपकी समस्याओं का समाधान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान' गीता जयंती से शुरू हुआ है। गीता भक्ति,ज्ञान एवं योग का मार्ग प्रशस्त करती है। आज भगवान श्रीराम अयोध्या में विराज कर संपूर्ण विश्व के भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार अब रामराज्य की परिकल्पना साकार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने फ्रीगंज के नए रेलवे ओवरब्रिज के भूमि-पूजन के प्रस्तावित नए रेलवे ओवरब्रिज के ले-आउट का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। यह ब्रिज चामुंडा चौराहे से फ्रीगंज को जोड़ेगा। फ्रीगंज रेलवे ओवर ब्रिज उज्जैन की आबादी एवं सिंहस्थ -2028 को दृष्टिगत रखते हुए बनाया जा रहा है। इसकी कुल लागत 91.76 करोड़ रुपए होगी। ब्रिज 21.40 मीटर चौड़ा एवं 633 मीटर लंबा होगा।

सुप्रभात

बच्चों के होमवर्क में
नहीं होतीं घर की कोई बातें
गुल्ली-डंडा, छुपम-छुपाई,
और दादी नानी की
कहानी भरी रातें
फसलों की महक
तालाब, मेंढक और मछलियां
नीम के पेड़ पर चढ़ता-उतरता
गिलहरियों का झुंड।
तवे पर नाचती गोल रोटी
गाय के गले में पड़ी घंटी की रुनझुन
नरम-नरम घास का एहसास
पत्तों पर दमकती उसकी बूंदें
सुबह की गुनगुनी धूप
और पूनम-अमावस की रातें
हां, बच्चों के होमवर्क में
नहीं होतीं घर की कोई बातें।

- प्रमोद दीक्षित मलय

हाड़ कंपा रही सर्दी, शून्य की ओर बढ़ रहा पारा

- कहीं बर्तनों में जम रहा पानी,तो कहीं घास और पत्तों पर जमी ओस
- राजस्थान के 5 जिलों में पारा 5 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत देश 7 राज्यों में गुरुवार को कोल्ड वेव का अलर्ट है। राजस्थान के 5 जिलों में टेम्परेचर 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

मध्य प्रदेश के 11 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट है। हिमाचल में शुक्रवार को 5 जिलों में बर्फबारी के आसार हैं। आज से मौसम साफ रहेगा। दिल्ली में गुरुवार को 6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

दिल्ली के साथ-साथ मुंबई में भी सुबह भारी कोहरा दिखाई दिया। दिल्ली में सुबह एयर क्वालिटी खराब की कैटेगरी में आ गई। नेहरू नगर में एक्यूआई 310 दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में आज कोल्ड वेव का अलर्ट है। 26 जिलों में कोहरा छाया है और विजिबिलिटी घटकर 70 मीटर हो गई है। उधर, तमिलनाडु में बारिश का दौर जारी है। यहां भारी बारिश के चलते 11 जिलों में स्कूल बंद रहेंगे। दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में शीत लहर का अलर्ट है। आगे भी राहत की उम्मीद नहीं है। हिमाचल में बर्फबारी का अनुमान है। पंजाब के 17 जिलों में यलो अलर्ट का अनुमान जाहिर किया है। उत्तरी हवाओं से राजस्थान में बर्फ जमा देने वाली सर्दी शुरू हो गई। हिल स्टेशन माउंट आबू से भी ज्यादा ठंडा सीकर और चूरू रहे।

सभी भारतीयों के लिए खुशखबरी

भारत के डी गुकेश शतरंज के नए विश्व चैंपियन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के डी गुकेश शतरंज ने दुनिया में सबसे कम उम्र में विश्व चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया है। 18 साल के गुकेश शतरंज के नए विश्व चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने फीडे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के फाइनल में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर अपनी बादशाहत साबित की। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने चीन के डिंग लिरेन को 14वीं बाजी में हराकर खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने यह जीत काले मोहरों से खेलते हुए दर्ज की। डी गुकेश ने इस जीत के साथ ही विश्वनाथन आनंद के एलीट क्लब में एंट्री मार ली है। वे विश्व चैंपियन बनने वाले भारत के सिर्फ दूसरे शतरंज खिलाड़ी हैं। सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई अभिनंदन...।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

मरीजों की सुविधा और चिकित्सकीय सेवाओं की सहजता को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

1350 बिस्तर का होगा एमवाय हॉस्पिटल इंदौर

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सरकार मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा नेटवर्क तैयार करने के सतत कार्य किये जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में एमवाय हॉस्पिटल, इंदौर के विस्तार, उन्नयन और नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समग्र और प्रभावी बनाने के लिये भविष्योनुमुखी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि कार्यों में तेजी लाते हुए मरीजों की सुविधा और चिकित्सकीय सेवाओं की सहजता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने इंदौर में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 1350 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक हॉस्पिटल के प्रस्ताव को शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही नर्सिंग हॉस्टल और कैंसर हॉस्पिटल के प्रस्ताव को अंतिम रूप प्रदान कर अग्रेषित करने के लिये निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इन उन्नयन कार्यों से इंदौर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता को नए आयाम मिलेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सतना में प्रस्तावित 650 बिस्तरों वाले मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और उससे जुड़ी एप्रोच रोड के निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने रीवा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में चल रहे उन्नयन कार्यों की स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिये। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी, एमडी बीडीसी डॉ. पंकज जैन सहित स्वास्थ्य विभाग, पीआईयू और मध्यप्रदेश भवन निर्माण निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम बोले-लाड़ली बहना से बढ़ रहा लोड, सरकार आय बढ़ा रही

सरकार का एक साल पूरा होने पर गिनाई उपलब्धियां; बोले- 3 लाख जॉब मिलेंगे

भोपाल (नप्र)। मोहन सरकार के एक साल पूरा होने पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गुरुवार को सीएम डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की उपलब्धियां गिनाई। सीएम ने सरकार की उपलब्धियां गिनाने की शुरुआत में कहा- आज 7 नगरीय निकायों के पार्षदों के चुनाव परिणाम आए हैं इनमें से छह निकायों में जनता ने भाजपा को जिताकर अपना भरोसा कायम रखा है।

लाड़ली बहना से लोड पड़ रहा, सरकार आय बढ़ा रही : सीएम ने महिलाओं के लिए किए गए कामों का जिक्र करते हुए कहा- देश में महिलाओं को सबसे ज्यादा 35 प्रतिशत आरक्षण मप्र में दे रहे हैं। हम 26 लाख लाड़ली बहनों को 450 रुपए गैस रिफलिंग के लिए दे रहे हैं।

1 करोड़ 29 लाख लाड़ली बहनों को अब तक 19212 करोड़ रुपए राशि का अंतरण किया है। जब से सरकार बनी थी सब कह रहे थे ये चल नहीं पाएगी। लोड पड़ेगा फाइनेंशियली तकलीफ है। ये हो नहीं पाएगा। ये बात जरूर मानते हैं कि इसका लोड़ पड़ रहा है लेकिन लोड़ पड़ने के साथ ही सरकार अपने आय के साधन बढ़ाती जाए। अपने पैरों पर अपनी वित्तीय व्यवस्थाओं को खड़ा करने के लिए जब आप आय बढ़ाएंगे तो स्वतः ही इन सारी व्यवस्थाओं को संचालित करने लिए आप सक्षम हो जाते हैं। स्वाभाविक रूप से हमने इस दिशा में काम किया है। हमारी सारी जनकल्याणकारी योजनाओं खासकर बहनों की योजनाओं को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

अटल जी का जिक्र करके उपलब्धियों की शुरुआत की : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि किसी भी देश को आगे बढ़ाने के लिए उसके उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर उपयोग होना चाहिए। ऐसे में उन्होंने नदी जोड़ो की कल्पना की थी। नदी जोड़ो के माध्यम से उनका अपना विराट दर्शन था। सच मानो तो उस समय कई लोगों को लगा था कि क्या यह संभव है ? यह तो प्रकृति जन्य है यह कैसे हो सकता है? लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने जब हमारी दूसरी बैठक ली तो उन्होंने कहा कि यह बहुत उम्दा आइडिया है इस पर आगे बढ़ना चाहिए। ये मुद्दे बिना बात के राज्यों के अंदर कतिपय कारणों से उलझते हैं। मैंने उनकी बात को समझते हुए सोचा कि इसमें उलझन और अड़चन क्या है?

वीडी बोले- ये तुरंत एक्शन लेने वाली सरकार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि, एक साल पहले आज के ही दिन 13 दिसंबर को मोहन यादव जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। सरकार के साथ भाजपा के संगठन ने प्रधानमंत्री मोदी जी की नीति और डबल इंजन की सरकार ने दोगुना काम किया है। मध्य प्रदेश की सरकार तुरंत एक्शन करने वाली सरकार है। महिला, किसान, गरीब, युवा इन चार वर्गों पर सरकार ने फोकस किया है। पीएम श्री एम्बुलेंस के माध्यम से सरकार ने संवेदनशीलता प्रदर्शित की है। महिलाओं को 35त्न आरक्षण देने का काम डॉक्टर मोहन यादव जी के नेतृत्व की संवेदनशील सरकार ने किया। मध्य प्रदेश के समग्र विकास के लिए रीजनल इंडस्ट्रियल समिट के माध्यम से लोकल उद्योगपतियों को अवसर देने के लिए शुरुआत की गई है। शहरों के समग्र विकास के लिए देश में मध्य प्रदेश कैसे आगे जाएगा उसके लिए मेट्रोपोलिटन सिटी डेवलप करने का प्रयास सरकार ने किया है। आने वाले समय में केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना जो अटल जी का सपना है भी जल्द पूरी होने वाली है।

अटल जी के जन्मदिन पर केन-बेतवा का भूमिपूजन

सीएम ने कहा- केन-बेतवा प्रोजेक्ट में केवल 10 प्रतिशत राशि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की लगेगी। बाकी राशि केंद्र सरकार देगी। अटल जी की जयंती को जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। अटल जी का वह सपना साकार होते दिखेगा जो उन्होंने नदी जोड़ अभियान को लेकर देखा था। इसमें उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लगभग 11 जिले हैं। प्रदेश के 11 जिले और बाकी के उत्तर प्रदेश के जिले हैं। कुल मिलाकर 10 लाख हेक्टेयर इलाके में इससे सिंचाई होगी। 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस कार्यक्रम में आने की सूचना दी है। दोपहर 1:00 छतरपुर जिले में इस योजना का भूमि पूजन किया जाएगा। सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश में दो तरह की एयर एंबुलेंस चल रही है। जहां हवाई पट्टी है वहां एयर एंबुलेंस चल रही है और जहां हवाई पट्टी नहीं है वहां हेलीकॉप्टर से मरीजों को एयरलिफ्ट किया जा रहा है। अभी हाल की घटना है पन्ना में एक रिटायर्ड खनिज अधिकारी सुबह घूमने जा रहे थे और पीछे से ट्रक में उन्हें कुचल दिया उनका पैर बुरी तरह पिचक गया उन्हें तुरंत एयर लिफ्ट करके बंसल हॉस्पिटल भोपाल में भर्ती कराया और उनका पैर भले ही अलग करना पड़ा लेकिन उनकी जान बच गई।

शपथ लेते ही हमने दो मंत्रालय को एक साथ किया स्वास्थ्य मंत्रालय और चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय अलग-अलग थे। हर जगह यह एक थे। केवल हमारे राज्य में ही स्वास्थ्य मंत्रालय अलग था।

मध्य प्रदेश में 2003-4 के आसपास करीब 5 मेडिकल कॉलेज हुआ करते थे अब कुछ समय में पूरे मध्य प्रदेश में 51 मेडिकल कॉलेज हो जाएंगे। सीएम यादव ने कहा कि, इंदौर मनमाड़ के बीच बनने वाली रेल लाइन के लिए मध्यप्रदेश में रेलवे का काम देखने के लिए अलग से ओएसडी ला रहे हैं। यह 309 किलोमीटर का लगभग 18,036 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट है। इस लाइन के बनने से 4 घंटे की बचत होगी। लगभग ढाई सौ किलोमीटर का सफर बचेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर परिसर में जनकल्याण एवं विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर परिसर में जनकल्याण एवं विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में फिर लागू होगा दरबार मूव

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार राज्य की 150 साल पुरानी दरबार मूव परंपरा को फिर से बहाल करने की तैयारी में है। बुधवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सिविल सोसाइटीज के प्रतिनिधियों के साथ तीन घंटे की बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने बताया कि दरबार मूव को फिर से शुरू करेंगे। जम्मू का अपना महत्व है और हम इसकी विशिष्टता को कम नहीं होने देंगे। हमने अपने घोषणापत्र में इस मुद्दे को शामिल किया था। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर और जम्मू के बीच राजधानी बदलते रहने की 152 साल पुरानी परंपरा 1872 में जम्मू-कश्मीर के डोगरा राजवंश के महाराजा रणबीर सिंह ने शुरू की थी। एलजी मनोज सिन्हा ने जून, 2021 में यह परंपरा खत्म कर दी थी। इस परंपरा के तहत गर्मियों में राजधानी श्रीनगर और सर्दियों में जम्मू शिफ्ट कर दी जाती थी।

अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ में 7 नक्सली ढेर

जगदलपुर (एजेंसी)। बस्तर में अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ के रेकावाया इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। अभी भी दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है। चार जिले के एक हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इनमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर और कोंडागांव जिले की डीआरजी, कोबरा और सीआरपीएफ की टीम शामिल है। बता दें कि, 1 जनवरी से अब तक 215 नक्सली मारे गए हैं। विजय शर्मा ने बयान दिया कि, कांग्रेस कार्यकाल के दौरान पिछले 5 सालों में जितने नक्सली मारे गए थे।

अब हर महीने खाते में आएंगे 1000 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आप सरकार ने महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। दिल्ली में अब महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये मिलेंगे। इसकी घोषणा करते हुए पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि सुबह 10 बजे कैबिनेट मीटिंग में ये प्रस्ताव पारित कर दिया गया है कि दिल्ली की हर महिला के खाते में हर महीने हजार हजार रुपए डाले जाएंगे। दिल्ली सरकार की यह योजना आज से ही लागू हो गई है। केजरीवाल ने महिलाओं से यह भी वादा किया है कि अभी 1000 रुपये वाली रकम को चुनाव जीतने के बाद 2100 रुपये प्रति माह कर दिया जाएगा। दिल्ली चुनाव को अभी 1 महीने से ज्यादा का समय बाकी है। उससे पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये आएंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

महाराष्ट्र कैबिनेट के लिए मोदी-शाह से मिले फडणवीस

मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तय, 14 दिसंबर को शपथ संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को सरकार गठन के 7 दिन बाद आज गुरुवार को मंत्रिमंडल पर फैसला हो सकता है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में मुलाकात की। वे बुधवार देर रात गृह मंत्री अमित शाह से भी मिले थे। सूत्रों ने दावा किया कि शाह के साथ मीटिंग के दौरान मंत्रिमंडल पर चर्चा की गई। मीटिंग में मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तय हुआ। 14 दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार और मंत्रियों की शपथ हो सकती है। डिप्टी सीएम अजित पवार भी दिल्ली में ही मौजूद हैं। वे भी शाह से मुलाकात करने संसद पहुंच चुके हैं। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे दिल्ली नहीं पहुंचे। मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल का फॉर्मूला तय हो चुका है।

किसान नेता डल्लेवाल की किडनी फेल होने का खतरा

- हालत बिगड़ने के साथ ही किसानों ने सुरक्षा बढ़ाई, बोले-केंद्र सरकार हमला करवा सकती है

पटियाला (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर मरणव्रत पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को 16 दिन बीत चुके हैं। यह उनका 17वां दिन है। ऐसे में उनकी सेहत बिगड़ती जा रही है। उनकी सेहत पर नजर रखने वाले निजी डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए बताया है कि उनका वजन 12 किलो से अधिक कम हो चुका है। उनकी किडनी कभी भी फेल हो सकती है और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। इतना ही नहीं. डॉक्टरों के मुताबिक ज्यादा दिनों तक भूखा रहने के कारण उनके लीवर में भी दिक्कतें हो सकती हैं। गुरुवार को भी किसानों ने सरकारी डॉक्टरों की उस टीम को रोक दिया था जो डल्लेवाल का चेकअप करने आई थी।

हाथरस रेप पीड़ित के परिवार से मिले राहुल गांधी

45 मिनट की बातचीत, पीड़िता के पिता ने लिखी थी चिट्ठी

4 साल से कैद में, यूपी सरकार ने कुछ नहीं किया

हाथरस (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को हाथरस रेप पीड़िता के परिवार से मिले। उन्होंने 45 मिनट तक परिवार से बातचीत की। राहुल ने अचानक दौरे का प्लान बनाया। सुबह 7 बजे दिल्ली से हाथरस के लिए निकले। इसी साल, 2 जुलाई को लड़की के पिता ने राहुल को चिट्ठी लिखी थी। इसमें कहा था- 4 साल से कैद में हूं। न कोई रोजगार है। न ही रोजगार के लिए कोई बाहर जा पा रहा है। सरकार ने वादे भी पूरे नहीं किए। हाथरस में 4 साल पहले 14 सितंबर 2020 को दलित युवती के साथ दरिंदगी हुई थी। 29 सितंबर 2020 को युवती ने दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल में दम तोड़ दिया था। पुलिस ने घरवालों की सहमति के बिना युवती का रात में ही अंतिम संस्कार कर दिया था। मामला देशभर में सुर्खियों में रहा। यूपी पुलिस की जांच पर सवाल खड़े हुए तो इसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- राहुल हताश हैं। हाथरस मामले की जांच सीबीआई ने की है। मामला कोर्ट में चल रहा है। राहुल यूपी को अराजकता और दंगों की आग में झोंकना चाहते हैं। पीड़ित लड़की के भाई ने बताया- एसडीएम हाथरस नीरज शर्मा कल मेरे घर की पैमाइश करने आए थे। अभी तक हमारी दो मांगें पूरी नहीं हुई।

दुनिया की सबसे छोटी डोनर बनी उत्तराखंड की सरस्वती

- मां-बाप ने दिल पर पत्थर रखकर किया ढाई दिन की बच्ची का देहदान

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में ढाई दिन की सरस्वती का नाम दुनिया की सबसे छोटी देहदाता के रूप में दर्ज हो गया है। बच्ची जन्म से ही हृदय रोग से पीड़ित थी और पैदा होने के मात्र ढाई दिन में ही उसकी मौत हो गई। ऐसे में उसके माता-पिता ने बच्ची का देहदान कर एक मिसाल कायम की है। बच्ची का शव म्यूजियम में सुरक्षित तो रखा जाएगा लेकिन अब उसके माता-पिता कभी भी उसे नहीं देख पाएंगे। ढाई दिन की बच्ची सरस्वती के देहदान की खबर सुर्खियों में है। हर कोई इस बच्ची की असमय मौत और देहदान की खबर से हैरान है। उत्तराखंड के इस युवा दंपति ने अपनी बच्ची का देहदान कर एक बड़ी मिसाल पेश की है। हरिद्वार के ज्वालापुर स्थित पुरुषोत्तम नगर निवासी 30 वर्षीय राममेहर और उनकी पत्नी मगन देवी ने मेडिकल एजुकेशन के लिए अपनी ढाई दिन की बच्ची का शव दान दिया है। दून मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को बच्ची का शव दान में दिया गया है। डॉक्टर के अनुसार मगन देवी को लेबर पेन की वजह से दून अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां रविवार 8 दिसंबर को दोपहर के समय सिजेरियन से उन्होंने बच्ची को जन्म दिया। इस दंपति की यह दूसरी औलाद थी। अभी यह दंपति बच्ची के होने की खुशियां मना ही रहा था कि बच्ची को हृदय संबंधी रोग होने की खबर ने उन्हें हिला कर रख दिया। यह बच्ची आईसीयू वार्ड में भर्ती थी लेकिन 10 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत से दंपती सदमे में थे। इसी दौरान राम मेहर ने अपनी बच्ची की मौत की जानकारी अपने पारिवारिक डॉक्टर जितेंद्र सैनी को दी। ढाई दिन की बच्ची के हार्ट रिलेटेड प्रॉब्लम की वजह से मौत होने की बात पर डॉक्टर जितेंद्र सैनी ने बच्ची के शरीर को दान देने की राय दी।

लालू परिवार में फूट, एकला चलो की राह पर तेजस्वी

उत्तराधिकार को लेकर संघर्ष, मीसा भारती और तेज प्रताप गायब

पटना (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के राजनीतिक आयाम की जब सम्मिलित रूप से चर्चा होती है तो उनकी आलोचना में सबसे ज्यादा कटाक्ष उनके परिवार वालों को ले कर किया जाता रहा है। पर वर्तमान राजनीति की बात की जाए तो लालू प्रसाद यादव का परिवारवाद कहीं न कहीं बंटा हुआ दिखता है। यह चाहे चुनावी मंच हो या चुनावी यात्रा। देखा यह जा रहा है कि बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एकला चलो की राह पर निकल पड़े हैं। आखिर राजनीति में परिवार की सामूहिकता दिख क्यों नहीं रही है। आइए विस्तार से जानते हैं। राष्ट्रीय जनता दल की बागडोर एक तरह से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ही संभाले हुए हैं। काफी अरसे से देखा जा रहा है कि चुनावी मंच पर तेजस्वी यादव अपने सहयोगी या फिर स्थानीय नेताओं के साथ मंच साझा करते रहे हैं। अपने इस मंच पर न तो पाटलिपुत्र लोकसभा से राजद की संसद मीसा भारती, छपरा के लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी रोहिणी आचार्या या फिर हसनपुर के विधायक तेज प्रताप यादव ही नजर नहीं आते। अब इसकी वजह क्या है यह तो राजद परिवार जाने मगर लालू यादव का परिवार सामूहिकता के साथ मंच पर उपस्थित नहीं होना कई सवालों को जन्म देता है और वह भी नकारात्मक सवाल कुछ ज्यादा। मसलन सक्रिय राजनीति से मीसा भारती या फिर तेज प्रताप को कहीं अलग तो नहीं रखा जा रहा है या कि परिवारवाद के भीतर कहीं कोल्ड वार तो नहीं छिड़ा हुआ है। वही अगर कांग्रेस की बात करें तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पारिवारिक ही नहीं राजनीतिक बॉन्डिंग भी काफी मजबूत दिखता है। प्रियंका की बात करें तो राहुल गांधी के राजनीतिक कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी या फिर संलिप्तता की बात करें तो वह सौ फीसदी दिखता है। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' की ही बात करें तो प्रियंका की संलिप्तता साफ दिखती है। गाजियाबाद में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। बाद में मीडिया के लिए प्रसारित एक वीडियो में राहुल-प्रियंका मंच पर एक साथ बैठे हैं। इस दौरान राहुल अपनी बहन प्रियंका का माथा चूमा और उनसे बातें करने लगे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने भाई और पार्टी सांसद राहुल गांधी की लोनी बॉर्डर पर प्रशंसा करते कहा भी कि राहुल गांधी को ठंड नहीं लगती क्योंकि उन्होंने सच्चाई की ढाल ओढ़ रखी है, मेरे भाई को कभी नहीं खरीद सकते क्योंकि वह सच्चाई के लिए खड़े हैं।

इंदौर में महिला भिक्षुक के पास मिले 75 हजार रुपए

प्रशासन की टीम ने पकड़ा तो हुआ खुलासा, बोली-ये मेरे एक हफ्ते की कमाई

इंदौर (नप्र)। इंदौर में महिला एवं बाल विकास की टीम ने जब एक महिला भिक्षुक को रेस्क्यू किया, तो उसके पास मिली 75 हजार रुपए की नकदी ने सभी को चौंका दिया। दरअसल पिछले दिनों कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर को भिक्षा वृत्ति मुक्त करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए थे। इस पर महिला और बाल विकास विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में अलग-अलग टीमों द्वारा करीब 300 से ज्यादा भिक्षुकों को रेस्क्यू कर उज्जैन के सेवा धाम में पुनर्वास के लिए भेजा गया है। इसी कड़ी में बुधवार को महिला बाल विकास विभाग के दिनेश मिश्रा और उनकी टीम ने बड़ा गणपति एवं राजवाड़ा में रेस्क्यू अभियान चलाया। इस दौरान एक महिला को शनि मंदिर के सामने भिक्षावृत्ति करते हुए पकड़ा। टीम ने जब जांच की तो उसके पास 74768 रुपए मिले।

1 से लेकर 500 रुपए तक के नोट मिले- यह महिला अकसर शनि मंदिर, जैन मंदिर सहित आसपास के क्षेत्रों में भिक्षा मांगती देखी गई है। उसके पास 1 से लेकर 500 रुपए तक के नोट मिले हैं। सबसे ज्यादा 100 रुपए के 423 नोट (42300 रुपए), 50 रुपए के 174 नोट (8700 रुपए), 20 रुपए के 305 नोट (6100 रुपए), 10 रुपए के 280 नोट (2800 रुपए), 200 रुपए के 18 नोट (3600 रुपए) और 500 रुपए के 22 नोट (11,000 रुपए) मिले हैं। महिला ने बताया कि यह उसके एक हफ्ते की कमाई है। यह भी बताया कि इतनी रकम वो हर 10-15 दिन में भिक्षा वृत्ति से इकट्ठा कर लेती है। उसे रेस्क्यू कर उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में भेजा गया है। उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

खजराना गणेश मंदिर की दान-पेटियों से निकले 75 लाख रुपए

43 में से आठ दान पेटियों की गिनती बाकी, एक करोड़ तक पहुंचेगा दान

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मौजूद विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में चार दिन से चल रही दान पेटियों की गिनती में 75 लाख रुपए निकले हैं। गुरुवार तक 43 में से 35 दान पेटियों की गिनती पूरी हो चुकी है। 8 दान पेटियों की गिनती अगले दो से तीन दिन में कर ली जाएगी। इस बार दान राशि एक करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। बता दें मंदिर की दान पेटियों से हर साल औसतन 4 करोड़ रुपए से अधिक दान निकलता है। मंदिर में हर साल लाखों की संख्या में भक्त आते हैं। एनआरआई भक्त जिस देश से आते हैं वहां की मुद्रा भी यहां दान के रूप में चढ़ाते हैं। दान की यह गणना मंदिर प्रबंध समिति, पंजाब नेशनल बैंक और नगर निगम कर्मचारियों की मौजूदगी में की जा रही है। दान पेटियों में अब तक सोने की चेन और चांदी की सिल्लियां निकली हैं। अमेरिका, दुबई सहित अन्य देशों की मुद्राएं भी मिली हैं। नोटों की गिनती के लिए एक मशीन लगाई गई है।

यहां से काउंटिंग के बाद पूरा कैश पंजाब नेशनल बैंक में जमा किया जा रहा है। कई लेटर भी निकले है, जिसमें भक्तों ने अपने मनोकामना लिखी। इन लेटर को भगवान को चरणों में अर्पित किया जाता है। इसके अलावा विदेशी करेंसी के साथ ही चांदी के जेवरात भी दान पेटियों में निकल चुके हैं। मंदिर में प्रत्येक चार माह में दान पेटियों से निकलने वाली दान राशि की गिनती की जाती है। इसके बाद यह राशि बैंक में जमा की जाती है और इसी से मंदिर समिति का खर्च चलता है। इसके पहले यह गिनती अगस्त 2024 में की गई थी। तब दान पेटियों से एक करोड़ 75 लाख रुपए का दान निकला था। दान पेटियों से अमेरिका, दुबई सहित अन्य कई देशों की मुद्राएं मिली हैं। इन्हें रुपए में कन्वर्ट कराने के बाद बैंक में जमा किया जाएगा।

चिल्लर की गिनती भी जारी, दो से तीन दिन में पूरी होगी गिनती

खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि मंदिर की दान पेटियों से निकली राशि की गणना की जा रही है। अब तक 75 लाख रुपए से ज्यादा की राशि प्राप्त हुई है। पूरा पैसा मंदिर के अकाउंट में जमा करा दिया गया है। सभी दान पेटियों और चिल्लर की गिनती पूरी होने में दो से तीन दिन का समय और लग सकता है। मंदिर की दान पेटियों से निकली चिल्लर की गिनती का काम मंदिर में किया जा रहा है, जो अगले एक-दो दिन तक जारी रहेगा। नगर निगम के 20 अधिकारी व कर्मचारियों के साथ ही मंदिर प्रबंधन समिति के 15 लोग दान पेटियों से निकली राशि गिनने के काम में लगे हैं।

सर्व ब्राह्मण युवक-युवती परिचय, सम्मेलन 15 दिसंबर को होगा

इंदौर (नप्र)। श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा द्वारा सर्व ब्राह्मण युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर इंदौर में होने जा रहा है। सभा के अध्यक्ष पं संजय शुक्ला, प्रधानमंत्री पं अनूप बाजपेयी एवं प्रभारी पं प्रकाश बाजपेयी ने बताया कि 15 दिसंबर को एरोड्रम रोड स्थित नरसिंह वाटिका में आयोजित होने वाले परिचय सम्मेलन में सर्व ब्राह्मण युवक युवती की प्रविष्टियां स्वीकार्य होगी। इंदौर सहित देवास उज्जैन, धार, नागदा नीमच मंदसौर, सागर जबलपुर कटनी गुना ग्वालियर एवं प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के स्वजातीय बंधु भी आयोजन में भाग लेगे। आयोजन में प्रविष्टि हेतु सभा के विजय नगर स्थित कार्यालय पर प्रातः 10 से 2 बजे एवं राज मोहल्ला कार्यालय पर शाम 5 से 8 बजे के मध्य सम्पर्क किया जा सकता हैं। सभी स्वजातीय बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार, रिश्तेदार एवं परिचित स्वजातीय बंधुओं के परिवार के विवाह योग्य युवक युवती के पंजीयन आयोजन में करवाकर समाज की रचनात्मक पहल को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करे।

सराफा बाजार में चुनावी सरगर्मी हुई तेज

ट्रैफिक की समस्या हल करने प्रत्याशी कर रहे वादे, 22 उम्मीदार मैदान में

इंदौर (नप्र)। इंदौर के सराफा बाजार में चांदी-सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के चुनाव शनिवार को होंगे। इसे लेकर सराफा बाजार में सरगर्मी बढ़ गई हैं। प्रत्याशी रोजाना दोपहर से रात तक चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। गुरुवार को भी उम्मीदवार हाथ जोड़कर दुकानों पर जाकर अपना और अपने साथियों के पक्ष में वोट देने की अपील करते नजर आए। प्रत्याशी सराफा के विकास और बाजार से ट्रैफिक की समस्या का समाधान करने का वादा कर रहे हैं। बता दें मतदान सुबह 11 से शाम 5 बजे तक छोटा सराफा स्थित गीतांजली प्लाजा में होगा, इसी दिन शाम 5.30 बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी। वही रात तक परिणाम घोषित हो जाएंगे और जीते हुए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी। कुल 27 उम्मीदवारों ने पर्चे भरे थे, सोमवार को 5 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए हैं। अब कुल 22 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। व्यापारी दोपहर 12 से शाम 7 बजे तक दुकानों पर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं।

हाई कोर्ट ने दिया पहला, दूसरा वेतनमान देने का आदेश

8 साल होने पर भी नहीं किया था भुगतान, अब दो माह में देना होगा

इंदौर (नप्र)। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने एक मामले मे मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2016 में जारी आदेश के अनुसार पहला और दूसरा वेतनमान प्रदान करने का आदेश दिया है। दरअसल शासन द्वारा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को वर्ष 2016 में प्रथम और द्वितीय वेतनमान दिया जाना था। इसमें नाम के साथ संबंधित विभाग द्वारा सूची भी जारी की गई थी। इस मामले में 8 साल होने पर भी याचिकाकर्ता को वेतनमान का भुगतान नहीं किया गया। इससे व्यथित होकर उसने एडवोकेट अमन मालवीय के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता के हक मे फैसला दिया और 2 माह में निराकरण करने का आदेश दिया।

इंदौर में स्टूडेंट को बदमाश ने चेहरे पर चाकू मारा

सिगरेट पिलाने से मना करने पर हमला कर भागा; आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर में एक फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट पर बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने सिगरेट न पिलाने की बात पर छात्र के चेहरे पर चाकू मारा है। देर रात पुलिस उसे एमवाए अस्पताल लेकर पहुंची। घायल छात्र के भाई के बयान पर पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना बुधवार रात की है। तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, शरद ठाकुर निवासी श्रृष्टि गर्ल्स हॉस्टल की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात हमलावर के खिलाफ केस दर्ज किया है। शरद ने बताया कि आरोपी ने उसके 18 साल के भाई संभव ठाकुर पर ढक्कन वाला कुआं के पास चाकू से हमला कर दिया। शरद के मुताबिक, बुधवार रात उसे सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल से कॉल आया। फोन पर भाई के साथ मारपीट होने की सूचना मिली। इसके वह तत्काल अस्पताल पहुंचा। यहां आईसीयू में भाई संभव का उपचार चल रहा था। संभव ने बताया कि पुलिस उसे यहां लेकर आई है।

इंदौर की आई-बस में ड्राइवर के हर मूवमेंट पर नजर

नशे में स्टार्ट नहीं होगी बस, ट्रैफिक रूल्स तोड़ते ही अलर्ट भेजेगा हाईटेक सिस्टम

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था के लिए पांच आईबसों में एक हाईटेक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस प्रोजेक्ट में ऐसे सिस्टम लगाए गए हैं, जो ड्राइवर के व्यवहार पर नजर रखेंगे। ड्राइवर के मोबाइल पर बात करने, स्मोकिंग करने या बार-बार उबासी लेने पर तुरंत कंट्रोल रूम और संबंधित बस ऑपरेटर को अलर्ट मिलेगा। यह पायलट प्रोजेक्ट 10 दिन पहले शुरू किया गया है। एआईसीटीएसएल के अधिकारियों ने काफी सर्चिंग के बाद दिल्ली में इस तकनीक की जानकारी हासिल की थी। अगर यह प्रोजेक्ट सफल होता है, तो इसे शहर की सभी बसों में लागू किया जाएगा।

बसों में लगाए गए हैं इक्यिपमेंट्स

एआईसीटीएसएल के इंजीनियर इंचार्ज अभिनव सिंह चौहान ने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट बीआरटीएस पर संचालित पांच आईबसों में शुरू किया गया है। इसमें आधुनिक एआई और टेलीमेटिक बस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया है, जो अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। बसों में फिलहाल कुछ इक्यिपमेंट्स लगाए गए हैं।

देश में पहली बार पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल

अभिनव सिंह चौहान ने बताया कि यह तकनीक पहले से दिल्ली रेलवे में इस्तेमाल हो रही है। इसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए यहां लाने के लिए कॉन्फिगर किया गया। इसके लिए दिल्ली की एक कंपनी से चर्चा की गई। उन्होंने इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी। इस प्रोजेक्ट को अगले दो महीने तक चलाया जाएगा। दस दिन पहले ही इसकी शुरुआत की गई है। यदि यह सफल होता है तो इसके टेंडर जारी किए जाएंगे, जिसके बाद इसकी लागत का पता चलेगा।

चौहान का कहना है कि संभवतः भारत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इसका पहला उपयोग यहां हो रहा है।

435 बसें हो रही हैं संचालित- एआईसीटीएसएल के पास वर्तमान में 450 बसें हैं, जिनमें से 435 अलग-अलग रूटों पर संचालित हो रही हैं। अगर यह पायलट प्रोजेक्ट सफल होता है, तो इसे सभी बसों में लागू किया जाएगा। इससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा में सुधार होगा।

ट्रांसपोर्ट को मजबूत कर रहे हैं- महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि डिजिटलाइजेशन करते हुए ड्राइवर और कंडक्टर को मॉनिटर करने की तैयारी हो रही है ताकि वे शराब पीकर गाड़ी न चलाएं या मोबाइल पर बात न करें।

आईआईटी इंजीनियर की मौत, फरवरी में होने वाली थी शादी

रात में डॉग को खाना देने के लिए बाहर निकला, सीने में उठा था दर्द

इंदौर (नप्र)। लसूडिया इलाके में एक आईटी कंपनी के इंजीनियर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह रात में डॉग को खाना देने के लिए बाहर निकला था, तभी उन्हें अचानक सीने में दर्द हुआ। परिवार के लोग उन्हें पहले नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, स्कीम नंबर 78 में रहने वाले योगेश, पुत्र रवि नानेरे की मौत हो गई। वह एक निजी आईटी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत था। परिवार ने बताया कि रात में वह अपनी कंपनी की ऑनलाइन मीटिंग कर रहा था। इसके बाद वह डॉग को खाना देने के लिए बाहर गए। तभी अचानक उन्हें सीने में दर्द हुआ और उन्होंने मां को आवाज लगाई। परिवार के लोग उन्हें तुरंत निजी अस्पताल लेकर गए, जहां से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया गया।

25 फरवरी को होनी थी शादी- योगेश नानेरे की शादी 25 फरवरी को तय थी। इसे लेकर परिवार में तैयारियां भी चल रही थीं। परिवार के लोगों ने बताया कि वह बेंगलुरु की एक आईटी कंपनी में काम कर रहे थे और काफी समय से वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। उनके परिवार में एक छोटी बहन और छोटा भाई है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत हार्ट अटैक से हुई है।

ई-रिक्शा चालक की मौत- सदर बाजार में रहने वाले करण (27) पुत्र हुकुमचंद चौहान निवासी जूना रिसाला, की भी रात में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई।

हरी सब्जियों की मंडी में बहार

शीतलहर से गराडू, पैंसिल बटला, अदरक, शकरकंद, हरे छोड़ की जबरदस्त मांग

इंदौर (नप्र)। पहाड़ों की बर्फीली हवा ने इंदौर के मौसम में ठंडक घोल दी हैं, शीतलहर के चलते कंपकंपी बढ़ा दी हैं। वही देवी अहिल्याबाई फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में हरी सब्जियों की बहार आ गई हैं। मंडी में सब्जियों की भरपूर आवक बनी हुई हैं, ठंड को देखते हुए ग्राहक गर्म सब्जियां और फलों जैसे गराडू, बटला, अदरक, पैंसिल बटला, शकरकंद, लाल शकरकंद, मैथी, पालक, टमाटर सहित अन्य सब्जियों की खूब खरीदी कर रहे हैं। सब्जी मंडी उपाध्यक्ष मोहम्मद फारूक राईन के अनुसार इसे हरी सब्जियां खाने का मौसम कहा जाता हैं। जब से मौसम में ठंडक बढ़ी है, हरी सब्जियों की बहार आ

गयी हैं। बढ़िया क्वालिटी के गराडू की आवक अच्छी बनी हुई हैं। इसे ग्राहक भी ठंड में खूब पसंद कर रहे हैं। मंडी में रतलाम, खाचरोद, नागदा, बड़नगर से रोजाना बढ़िया क्वालिटी की 130 से 150 कट्टा की आवक हो रही हैं। थोक में 25 रुपए किलो तक बिक रहा है, पैंसिल बटले की मांग भी अच्छी बनी हुई है। 15 से 20 गाड़ी की आवक हैं जो थोक में 50 से 55 रुपए किलो बिक रहा हैं। इसी प्रकार ग्राहक अदरक खाने के साथ चाय के साथ भी पीते हैं। हरे छोड़ की जबरदस्त मांग है, रोजाना 2 से 3 गाड़ी की आवक के साथ 25 रुपए किलो तक बिक रहा हैं।

इंदौर में अतिक्रमण हटाने पहुंचे भवन अधिकारी से अभद्रता

दुकानदारों ने कॉलर पकड़कर मारपीट की; मौके पर मौजूद कर्मचारी वीडियो बनाते रहे

इंदौर (नप्र)। इंदौर नगर निगम के जोन 21 में पदस्थ भवन अधिकारी के साथ राजेन्द्र नगर इलाके में दुकानदारों ने मारपीट कर दी।बचाव के दौरान एक अन्य कर्मचारी के साथ भी अभद्रता की गई। मौके पर निगम अफसरों के साथ मौजूद अन्य कर्मचारी वीडियो बनाते रहे। बाद में थाने जाकर तीन दुकानदारों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रकरण दर्ज कराया गया। टीआई नीरज बिरथरे के मुताबिक, राहुल रघुवंशी जोन 21 में भवन अधिकारी के पद पर कार्यरत है। उनकी शिकायत पर पुलिस ने आशीष पुत्र जगदीश चौहान, अभिषेक कोठारी और उसके पिता राजेन्द्र कोठारी पर अभद्रता और

शासकीय कार्य में बाधा डालने का केस दर्ज कराया है। अतिक्रमण हटाने पहुंचे निगम अधिकारियों के साथ दुकानदारों ने अभद्रता की। राहुल ने अपनी शिकायत में बताया कि सुगम यातायात को लेकर राजेन्द्र नगर मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। वह यहां से कियोस्क सेंटर और यशस्वी मेडिकल पर पहुंचे। जहां दुकान मालिक ने अतिक्रमण किया हुआ था। इस दौरान टीम उसे हटाने लगी तो तीनों ने विरोध किया। टीम के लोगों के साथ अभद्रता की। कॉलर पकड़ कर मारपीट की।

विवाद बढ़ता देख ड्रेनेज विभाग के कर्मचारी बचाव के लिए पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी अभद्रता और मारपीट करने लगे। इस दौरान वहां मौजूद सहकर्मी हेमंत मिश्रा, संजय दांगी और अन्य ने बचाव किया। पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया। बाद में थाने आकर केस दर्ज कराया। मामले में भवन अधिकारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मेरे और टीम के साथ मारपीट की गई। हमारे द्वारा थाने में शिकायत की गई है।

व्यापारी पिता-पुत्र पर क्राइम ब्रांच ने की एफआईआर

इंवेस्टमेंट के नाम पर लिए थे 1 करोड़; इधर पीड़िता के खिलाफ भी कोर्ट में याचिका

इंदौर (नप्र)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने एक विवादित मामले में एफआईआर दर्ज की हैं। महिला ने एक पिता-पुत्र पर करोड़ों रूपए की धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए हैं। जबकि महिला को लेकर आरोपी पक्ष की ओर से भी इस मामले में पूर्व कमिश्नर और क्राइम ब्रांच के डीसीपी को शिकायत की जा चुकी हैं। पिता-पुत्र ने महिला पर सूदखोरी का आरोप लगाकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, वही जिला कोर्ट में परिवाद दायर किया था, जो लंबित है। क्राइम ब्रांच ने किरण पति विजय पंवार की शिकायत पर सुनील पुरोहित और उसके बेटे उदित पुरोहित पर धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया हैं। पीड़िता के मुताबिक वह आरोपियों को करीब 8 साल से पहचानती है। आरोपियों ने अपनी कंपनी मां चामुंडा इंटर प्राइजेज में इंवेस्टमेंट करने के नाम पर किरण पंवार से रूपए लिए थे। पीड़िता ने बताया कि इस बात की शुरुआत अक्टूबर 2021 से हुई थी। जिसमें अलग-अलग तारीख में 1 करोड़ से अधिक की राशि दी गई।

पिता-पुत्र पर केस दर्ज

इस मामले में सुनील पुरोहित ने पूर्व कमिश्नर राकेश गुप्ता को शिकायत कर बताया था कि किरण उनसे कंपनी में प्रॉफिट नही लेने के नाम पर ब्याज लेती थी। जिसके एवज में वह कई गुना ज्यादा रूपए मांग रही हैं। कुछ रिकार्डिंग और वाट्सएप की चैट भी पेन ड्राइव में कमिश्नर को दी गई थी। जिसमें जांच कर रहे क्राइम ब्रांच के एएसआई ओमप्रकाश तिवारी ने उक्त जांच से हाथ पीछे कर लिए।

बाद में यह जांच टीआई अनिल गुप्ता के पास पहुंची, उनके ट्रांसफर के बाद एसआई सुषमा पटोलिया ने जांच शुरू की। इसके बाद पिता-पुत्र पर केस दर्ज कर लिया गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी के मुताबिक अगर आरोपी पक्ष के सुनील और उदित ने शिकायत की है तो वह जांच में सामने आ जाएगी, वह बयान देने नहीं आए। उन्होंने डाक से पेपर भेजे थे, खुद ना आकर पेपर भेजना सही नहीं थे।

आरोपी पक्ष बचाव में कुछ भी कह सकता हैं। इधर सुनील पुरोहित और उदित पुरोहित के वकील कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि पीड़ित व्यापारी की याचिका पर से महिला को हाई कोर्ट खंड पीठ इंदौर ने नोटिस भी जारी किए है, साथ ही उक्त महिला और उसके रिश्तेदार के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में जिला कोर्ट इंदौर में फ़ौजदारी परिवाद भी विचाराधीन होकर सिविल मामले को क्रिमिनल बनाकर परेशान करने को लेकर पीड़ित ने पूर्व में ही पुलिस कमिश्नर को एक पेन ड्राइव और सबूत के साथ लिखित शिकायत दी थी। बगैर लाइसेंस के ब्याज पर पैसा उधार देना भी अपराध की श्रेणी में आता है, जो साहूकारी अधिनियम के भी विपरीत है। उक्त कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने कहानी बनाई है, इसमें एसआई सुषमा पटोलिया को लेकर भी लोकायुक्त में शिकायत की गई हैं।

इंदौर में बाइक सवार बदमाशों ने की सीरियल चेन स्नेचिंग

रणजीत हनुमान के पास मंगलसूत्र लूटा, रिंग रोड पर चेन झपटकर हुए फरार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने एक के बाद एक दो लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले रणजीत हनुमान और उसके बाद अन्नपूर्णा इलाके के रिंग रोड के यहां बुजुर्ग महिला को निशाना बनाया। पुलिस ने दूसरे मामले में आवेदन लेकर रखा है। बाइक सवार बदमाशों के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। द्वारकापुरी पुलिस ने मधुबाला राठौर की शिकायत पर बाइक सवार तीन लुटेरों के खिलाफ लूट के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मधु बुधवार को अपने बेटे के साथ थाने आई। उसने बताया कि वह रणजीत हनुमान मंदिर पर शाम को सुदंर कांड का पाठ करने गई थी। यहां से परिचित महिला के साथ रात करीब 8 बजे पैदल स्कीम नंबर 71 स्थित घर जा रही थी। तभी नाकोडा नमकीन के पास में बाइक से तीन बदमाश आए।

सबसे पीछे बैठे लड़के ने गले पर जोर से हाथ मारा। उसके हाथ में मंगल सूत्र आ गया। संतुलन बिगड़ने से मधु गिर गई। बाइक पर नंबर नही थे। इसके बाद वह चिल्लाई। लेकिन आसपास के लोग कुछ समझते उसके पहले ही आरोपी मौके से भाग गए। बाद में घबराकर घर पहुंची और बेटे को जानकारी दी।

संपादकीय

अभिव्यक्ति की आजादी के दोहरे मापदंड

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय द्वारा एक विशेष कमेटी की सिफारिश पर ब्रिटिश भारतीय समुदाय के दो नेताओं से शाही सम्मान वापस लेने का फैसला यही दर्शाता है कि खुद को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी का पहरूआ कहने वाले देश के अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर दोहरे मापदंड हैं। क्योंकि सम्मान वापस लेने के पीछे जो तर्क दिए गए हैं, वो पूर्वाग्रह से प्रेरित ज्यादा लगते हैं। जिन भारतवंशी हस्तियों से ये सम्मान वापस लिए गए हैं, उनके नाम हैं रामी रेंजर और हिंदू काउंसिल यूके के मैनेजिंग ट्रस्टी अनिल भनोट। इनमें से एक से बांग्लादेशी हिंदुओं के समर्थन में बात करने और दूसरे से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करने के लिए सम्मान छीना गया है। सम्मान वापस लेने की घोषणा 'लंदन गजट' में की गई। रामी रेंजर और अनिल भनोट ने इसकी आदेश की घोषणा की निंदा करते हुए इसे अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया है और कहा है कि वो इसके खिलाफ अदालत जाएंगे। उल्लेखनीय है कि भारतवंशी ब्रिटिश नागरिक और करोड़पति रामी रेंजर को सीबीई (कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) और लीसेस्टर में सामुदायिक कला केंद्र संचालित करने वाले अकाउंटेंट अनिल भनोट को ओबीई (ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर) की उपाधि दी गई थी। इन सम्मानों की जब्ती एक समिति की रिपोर्ट पर की गई है। यह जब्ती समिति उन मामलों पर विचार करती है, जिनमें सम्मान धारक को सम्मान प्रणाली को बदनाम करने वाला माना जा सकता है। जब्ती समिति की सिफारिशें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के जरिए राजा को सौंपी गई थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में ओबीई सम्मान पाने वाले अनिल भनोट ने कहा कि जनवरी में जब्ती कमेटी ने उनसे संपर्क किया था। मैंने उसके सामने अपना पक्ष रखा था। भनोट के मुताबिक उन पर इस्लामोफोबिया का आरोप लगाने वाली शिकायत 2021 में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के बारे में थी। भनोट ने कहा कि उस समय बांग्लादेश में हमारे मंदिरों को नष्ट किया जा रहा था और हिंदुओं पर हमला किया जा रहा था। लेकिन मीडिया ने इसकी कवरेज नहीं की। मुझे लगा कि कुछ कहना चाहिए। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया और न ही मैंने सम्मान प्रणाली को बदनाम किया है। भनोट ने यह भी कहा कि इंग्लैंड में अब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अतीत की बात हो गई है। इसी तरह कंजर्वेटिव पार्टी के समर्थक और ब्रिटेन में एफएमसीजी फर्म सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक लॉर्ड रामी रेंजर के प्रवक्ता ने इस फैसले को अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि रामी इस फैसले को चुनौती देंगे। रामी रेंजर को दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने दिसंबर 2015 में ब्रिटिश व्यापार और एशियाई समुदाय के लिए की गई सेवाओं के लिए सीबीई सम्मान से सम्मानित किया था। रेंजर ने कहा कि मुझसे यह सम्मान इसलिए वापस लिया गया क्योंकि मैंने भारत को तोड़ने का इरादा रखने वाले खालिस्तान समर्थकों और बीबीसी का विरोध किया था। यहां सवाल यह है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर ब्रिटेन में अलगाववादियों और आतंकियों को खुले आम शरण दी जाती है। वो चाहे करते और बोलते हैं। लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं होती। जबकि पीड़ितों के पक्ष में बोलना किसी सम्मान को बदनाम करना कैसे हो गया। इन दिनों बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस को शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला है। वो देश में खुले आम मुस्लिम कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे रहे हैं और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर मौन हैं। उनकी अवॉर्ड वापसी पर कोई नहीं बोल रहा है, क्यों?

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। आप केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

बुजुर्गों के मानवाधिकारों के लिए राष्ट्रपति की चिंता के अर्थ

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय वृद्धजन पर चिंता जाहिर की हैं। उनकी चिंता बहुत उपयुक्त है। वह भारत में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा आयोजित विश्व मानव अधिकार दिवस पर वृद्धजन के अलावा बहुत से दूसरे मुद्दे थे, उस पर बोलकर चली जातीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वह एक नए विमर्श की ओर पूरे भारत का ध्यान खींची हैं। बृद्ध लोग आज भारत में उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। वे अपने जीवन में चुनौती को किसी को शेयर भी नहीं कर पाते। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह चाहती हैं कि इस बृद्ध तबके के बारे में सोचना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है। उन्होंने इसीलिए मानव अधिकार आयोग के इस विशेष आयोजन और अवसर पर कह दिया कि वर्ष 2022 तक भारत में बुजुर्गों की जनसंख्या लगभग 15 करोड़ थी और वर्ष 2050 तक इसके 35 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। वृद्ध लोगों की अमूल्य अंतर्दृष्टि और जीवन-अनुभव ऐसी संपत्ति हैं जो हमारे समुदायों को समृद्ध बनाती हैं। हमें उनके सामने आने वाले महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान निकालना चाहिए, जिसमें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, वित्तीय सुरक्षा, सुरक्षा और सामाजिक समावेशन तक पहुंच शामिल है। वह जोर देकर कही हैं कि यह जरूरी है कि हम ऐसी नीतियां बनाएं और कदम उठाएं जो उनकी गरिमा को बनाए रखें और उनका कल्याण सुनिश्चित करें। उन्हें हमारे समाज के मूल्यवान सदस्यों के रूप में पूर्ण जीवन जीने के लिए सशक्त बनाएं।

भारत के राष्ट्रपति के इस स्टेटमेंट के बहुत मायने हैं। भारत में जहाँ वृद्धों को सदियों से आदर मिलता रहा है उसी देश में जब कोई बुजुर्ग उपेक्षा का शिकार होता है, तो उसके दिल पर क्या बीतती होगी। आज के बुजुर्ग किसी समय वे बच्चे थे। वे कभी युवा थे। वे कभी देश के निर्माण में अहम् भूमिका अदा करके बूढ़े हुए हैं। उनके ये हालात हैं, कि वे अपने आपको दीन-हीन महसूस कर रहे हैं। यह उनकी दशा नई पौध कर रही है। उनके अपने लोग कर रहे हैं। लगभग तीन साल पूर्व की बात है। एक बूढ़ी स्त्री जिसके दो बच्चे थे। वे विदेश में रहते थे। उस वृद्ध स्त्री की अहमदाबाद के एक घर में मृत्यु के तीन दिन बाद जब दुर्गंध आने लगी तो दरवाज़ा तोड़ा गया और लोगों को पता चला कि इस घर में रहने वाली बूढ़ी माँ का देहांत हो गया है। उसके आसपास के लोगों ने पहले बेटे को फोन किया। वह आने से मना कर दिया। उसकी एक बेटी थी। उसे फोन किया गया। उसने कहा अब आने से क्या फायदा है? अंतेष्टि के समय व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल करके दिखा देना। उसकी अंतेष्टि किसी और ने की बेटी ने उस बूढ़ी माँ का ऑनलाइन अंतिम संस्कार देखा।

विचित्र स्थिति है हिंदुस्तान की। भारत में एक श्लोक की चर्चा हर समागम में संतजन करते हैं 'अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः। चत्वारि तस्य वर्ध्यनते आयुर्विद्या यशो बलम। यह सदाचार की बातें हैं। सदाचार की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण उक्ति है। यहाँ माता-पिता तथा गुरुजनों को आदर और सेवा से प्रसन्न करने वाले अभिवादनशील मनुष्य को मिलने वाले लाभ की बातें बताई गई है। आज सोचने की

बात यह है कि क्या अब सदाचारी पीढ़ी अपने अवसान पर है। अनेक स्थानों पर वृद्धजन को घर से निकालने, उन्हें आश्रम पहुंचा देने, उन्हें त्याग देने और उन्हें प्रताड़ित करने की जो घटनाएँ सुनाई देती हैं। वे घटनाएँ किसी सदाचारी पीढ़ी से तो कम से कम नहीं घटतीं। जब देश में कोई भी जवां दंपत्ति अपने बच्चे को जन्म देती है तो उसके अपने सपने होते हैं। उनके अपने खुशियों का अम्बार होता है। लेकिन जब वही बच्चे बड़े हो जाते हैं तो शास्त्रों में कही गयी बातें, उन्हें नहीं सुहातीं। वे बिल्कुल स्वार्थी हो जाते हैं। एकांगी हो जाते हैं। न्यूक्लियर लाइफस्टाइल के पक्षधर बन जाते हैं। अपने परिजन के साथ घृणा करते हैं। अपने जीवन को संकुचित कर देते हैं। यह संकुचन बहुत ही नुकसान कर रहा है। यह संकीर्णता हमारे वृद्धों के हितों, उनके जीवन की प्रसन्नताओं और उनके अपने कि अनगिनत अन्तहीन टकराव व युद्ध, जलवायु परिवर्तन और अन्तरराष्ट्रीय मानवीय क़ानून की घोर उपेक्षा की वजह से, वर्ष 2025 में साढ़े 30 करोड़ लोगों को जीवनरक्षक सहायता की आवश्यकता पड़ेगी। यह आंकड़ा भारत के लिए भी लागू होता है क्योंकि युद्ध न सही, जलवायु परिवर्तन का असर तो होगा ही। जलवायु परिवर्तन से हमारे वृद्धजन को प्राणरक्षक संसाधनों की ज़रूरतें पड़ेंगी ही पड़ेंगी। जीवनरक्षक सहायता की हमें मात्र तब और दुरुस्त करनी पड़ेगी, जब हमारे यहाँ वृद्धजन की संख्या बढ़ेगी।

जलवायु परिवर्तन तो एक अंतहीन लड़ाई बन गयी है। अब कॉप-29 से निकले विश्व भर के नेता चिंता में पड़े हैं कि स्थितियों को काबू में कैसे किया जाए। कैसे जीवनरक्षक सतत जीवनचर्या को स्थापित किया जा सके। वृद्धों की बढ़ती आबादी इस क्लाइमेट चेंज से ज्यादा प्रभावित होने वाली है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश ने कहा था कि वृद्धजन की गरिमा और मानवाधिकारों का संरक्षण करने, और समाज में उनके सामने चुनौतियों से निपटने में, पूरी मानवता का लाभ है। अन्तरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी वृद्धजन के लिए ऐसा वादा सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र के आलोक में किया गया था, उसका स्मरण आता है। एक यूएन रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि वर्ष 2050 में, दुनिया भर में, 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग दोगुनी होकर एक अरब 60 करोड़ हो जाएगी। भारत में यदि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह कह रही हैं कि 2050 तक इसके 35 करोड़ बूढ़े केवल भारत में होंगे तो कोई अतिशयोक्तिपूर्ण बात नहीं है अपितु जिस प्रकार से वृद्धजन की संख्या बढ़ी है उसे वह ध्यान में रखकर बात कर रही हैं।

मानवाधिकार संस्थानों, सिविल सोसायटी और प्रासंगिक हितधारकों से, सार्वभौमिक घोषणा-पत्र को, वृद्धजन के लिए समर्पित बनने का आह्वान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होता रहा है। एनएचआरसी ने हाल ही में विधवाओं को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। निःसंदेह भारत का राष्ट्रीय मानव अधिकार पर्याप्त नए कदम उठा रहा है। वृद्धों के लिए कुछ विशेष हो, राष्ट्रपति की इस चिंता व्यक्त करने के बाद तो निश्चय ही राष्ट्रपति मुर्मू के कहने का वह प्रतिफल होगा। कार्यवाहक अध्यक्ष विजया सायानी और महासचिव भरत लाल ने इस बीच कई महत्वपूर्ण उल्लेखनीय मानव अधिकार आयोग में कार्य किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वयं दूसरों के कल्याण के लिए अध्यक्ष, महासचिव और पूरे आयोग की अटूट प्रतिबद्धता, समर्पण और सेवा के लिए प्रशंसा की है, यह अच्छी बात है लेकिन जो उन्होंने आह्वान किया है कि आइए हम न्याय, समानता और गरिमा के मूल्यों के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करें जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करते हैं। अपने समय की चुनौतियों का सामना करते हुए, हमें प्रत्येक व्यक्ति के मौलिक अधिकारों को बनाए रखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पीछे न छूटे। यह बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। भारत के मानवाधिकारों में अभिवृद्धि देखने वाले लोगों, आयोग, सिविल सोसायटी और प्रासंगिक हितधारकों के साथ सार्वभौमिक घोषणा-पत्र में विश्वास व्यक्त करने वाले लोगों का अब दायित्व है की वे वृद्धों के हित को ध्यान रखें और उनके जीवन में प्रसन्नता का भोर लाएं।

आर्थिकी

राजकुमार सिन्हा

लेखक 'बरगी बांध विस्थापित संघ' के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।

साथ-साथ बढ़ती भुखमरी और समपन्नता

'हमारी प्रगति की परीक्षा यह नहीं है कि हम समृद्धि में और वृद्धि करते हैं, बल्कि यह है कि हम उन लोगों के लिए पर्याप्त प्रदान करते हैं, जिनके पास बहुत कम है।' - फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति। वित्त वर्ष 2024 की विश्व अर्थव्यवस्था की रैंकिंग में भारत 5 वें स्थान पर पहुंच गया है। देश की अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच गई है जो एक दशक पहले 1.9 ट्रिलियन डॉलर थी। यह 10वीं बडी अर्थव्यवस्था की स्थिति से एक उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है, परन्तु सवाल उठता है कि इस प्रगति का लाभ हर किसी तक पहुँच पा रहा है या नहीं। खासकर उन लोगों तक जो हाशिये पर हैं, जबकि देश की 80 करोड़ आबादी केन्द्र सरकार के पांच किलो आनाज पर निर्भर है।

वर्ष 2024 के 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' (वैश्विक भूख सूचकांक) में कुल 127 देशों में भारत 105 वें स्थान पर है जो इसे भुखमरी की गंभीर श्रेणी में रखता है। पड़ौसी देश श्रीलंका (56), नेपाल (68) और बांग्लादेश (84) की स्थिति भारत से बेहतर है। भारत की कुपोषित आबादी 13.7 प्रतिशत है, अर्थात अनुमानित 20 करोड़ आबादी कुपोषित है। भारत में 5 साल से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चों का कद कम है,18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन कम है और 2.9 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के कारण 5 वर्ष से कम आयु में मर जाते हैं। विश्व के सभी 127 देशों में से सिर्फ़ भारत ने ही इन आंकड़ों को नकारा है।

'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख को व्यापक रूप से मापने और 'ट्रैक' करने का एक औजार है। यह सूचकांक आयरिश मानवीय संगठन 'कंसर्न वर्ल्डवाइड' और जर्मन सहायता एजेंसी 'वेल्थुंगरहिल्फ' द्वारा प्रकाशित किया जाता है। दूसरी तरफ विगत 5 सालों में भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति दोगुनी हो गई है। वर्ष 2024 में भारत के टॉप 100 अमीरों की कुल

संपत्ति एक ट्रिलियन डॉलर के पार, अर्थात् 92 लाख करोड़ रुपए हो गई है। वर्ष 2023 के मुकाबले इनकी कुल संपत्ति में 26.50 लाख करोड़ रुपये की बढोत्तरी हुई है और 2020 की तुलना में इनकी अमीरी दो-गुनी से ज्यादा हो गई है। इस साल 100 सबसे अमीर भारतीयों की संपत्ति बढ़ने में उनके बिजनेस से मुनाफे में बढोत्तरी से ज्यादा शेयरों में तेजी का योगदान रहा है। भारत विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देशों में से एक है, जहां शीर्ष 10 प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय सम्पत्ति का 77 प्रतिशत है। देश के सबसे समृद्ध 1 प्रतिशत के पास 53 प्रतिशत संपत्ति मौजूद है, जबकि जनसंख्या के आधे गरीब हिस्से के पास राष्ट्रीय संपत्ति का मात्र 4.1 प्रतिशत के बराबर है।

देश के कुल 'वस्तु एवं सेवा कर' (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत निचली 50 प्रतिशत आबादी से प्राप्त होता है, जबकि इसमें शीर्ष 10 प्रतिशत का योगदान मात्र 4 प्रतिशत है। गरीबों पर लादे गए टैक्स बोझ से यह अर्थव्यवस्था गुलज़ार है। रोजगार विहीन विकास की सच्चाई तो 'इंडिया एम्पलायमेंट रिपोर्ट 2024' ने खोलकर रख दिया है। 'इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन' (आईएलओ) ने 'इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट' के साथ मिलकर यह रिपोर्ट तैयार की है। इसके हिसाब से अगर भारत में 100 लोग बेरोजगार हैं तो उसमें से 83 लोग युवा हैं जिनमें ज्यादातर शिक्षित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2000 में पढे-लिखे युवा बेरोजगारों की संख्या कुल युवा बेरोजगारों में 35.2 प्रतिशत थी जो 2022 में बढकर 65.7 प्रतिशत हो गई है। इनमें महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। ऐसी महिलाओं की संख्या 48.4 फीसदी थी, जबकि पुरूषों की मात्र 9.8 फीसदी यानि बेरोजगारों में महिलाएं 95 फीसदी थीं। रिपोर्ट के अनुसार साल 2000 के बाद से औपचारिक रोजगार का अनुपात लगातार बढ़ रहा था, लेकिन 2018 के बाद इसमें भारी गिरावट आई है। ठेके पर आधारित नौकरियां में इजाफा हुआ है, जबकि बहुत कम लोग नियमित और लंबी अवधि के अनुबंध वाली नौकरियों में हैं।

'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' (एनसीआरबी) से पता चलता है कि वर्ष 2022 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 5207 किसान और 6083 खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की है। यह दर्शाता है कि इस विकास में आम भारतीयों की भागीदारी बहुत ही नाममात्र की है। दूसरा भुखमरी पर बढती आबादी का तर्क थोप दिया जाता है, कहा जाता है कि एक सौ चालीस करोड़ लोगों का पेट भरना आसान काम नहीं है। जाहिर है, इसी मशक्कत में कई लोगों को भुखमरी बर्दाश्त करना पड रहा है, जबकि अनाज भंडारण की कमी के कारण देश में साल-दर-साल सडते और बर्बाद होते अनाज को लेकर समाधान निकालने की दिशा में प्रयास होना चाहिए। अनेक अध्ययनों और शोध से पता चलता है कि घटता उत्पादन, भुखमरी और आबादी का कोई सबंध नहीं है। इसकी वजह तत्कालीन आर्थिक, राजनैतिक नेतृत्व है।

सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स एंड रिसर्च के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर और वर्ष 2035 तक 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। भारत सरकार ने भी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र में बदलने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि भारत में हम मुक्त बाजार बनाते-बनाते कुछ और ही कर बैठे? मुक्त अर्थ व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी बाजार को ताकतवर बनाना था मगर यहां तो मुक्त बाजार की ताकत ही कुछ चुनिंदा हाथों में रह गई है। यहाँ एक तरफ बेरोजगारी, असमानता, महंगाई है दूसरी तरफ मोनोपोली वाले शेयरों की कमाई है।

ब्रिटिश अर्थशास्त्री जोआन रोबिंसन ने इसे ही 'इम्परफेक्ट मार्केट' कहा है। यह बेईमान बाजार है, जो एक तरफ से उपभोक्ताओं की जेब काटता है और दूसरी तरफ कामगारों को उनकी काबिलियत और मेहनत से कम पैसा देता है। अलबत्ता शेयर निवेशकों के लिए यह परफेक्ट है। इसलिए वृहद समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप और व्यापक सरकारी कार्यवाहियों की आवश्यकता होगी। अगर समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो इस विकास का मानवीय चेहरा धुंधला पड जाएगा। (सप्रेस)

अस्थायी जीवन में केवल व्यवहार स्थायी

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

जो आता है उसका जाना निश्चित है। यह तो हम सबने सुना है और इस बात की सच्चाई से भी हम भली-भांति अवगत है। समय चक्र के इस फेर से कभी कोई भी बच नहीं पाया लेकिन फिर भी हम यह बात समझ ही नहीं पाते कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। हम छोटी से छोटी उपलब्धि के वर्षों बाद भी अपनी मेहनत को याद नहीं रखते। याद रखते है तो बस उस रसूख को जो हमें कुछ ही क्षणों के लिए मिलती है। हम भूल जाते है कि यह शान हमारी हमेशा के लिए नहीं है। कल कोई और हमसे भी ज्यादा मेहनत करके हमारी जगह पर बैठ सकता है।

हम अपने विरोधियों को नीचा दिखना चाहते है या हम अपने से उम्र या ओहदे में छोटो को ज़बरदस्ती का ज्ञान देने लगते है। इससे भी बढ़कर जब हमसे कोई सलाह लेता है तब तो हम उसकी गलतियां गिनाने लगते है। हम भूल जाते है कि यदि हमसे कोई सलाह चाहता है तो इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि सामने वाले को कुछ नहीं आता, बल्कि इसका अर्थ है कि उसे हमारे द्वारा किए गए कार्यों का सम्मान है। पर हम तो अपने ही अहंकार में चूर होते है। हम उसे ही सलाह के नाम पर नीचा दिखाते है जो हमारे शब्दों का मान रखता है। जो हमारी बात से उपर अपनी बात को महत्व दें , ऐसे लोगों को सलाह देने से हम कतराते है।

हम जानते है कि वहां हमारी दाल नहीं गली, उलटा ऐसे ही लोगों का हम उदाहरण देते है। देखो फलाना कितना समझदार है। हम यह कभी नहीं कहते कि तर्कों की आड़ में वह हमारी बात को ही काट कर अपनी बात मनवाता है। हम तो यह दिखाना चाहते है कि सामने वाला तार्किक है, इसलिए हम उसकी बात का मान रखते है। जबकि सच को हम छिपाना भी चाहे, तब भी वह ज़्यादा देर तक नहीं छिपता।

हर सफल इंसान के भीतर यह भावना होती है कि उसकी मेहनत के कारण जिस सफलता को वह आज जी रहा है, वह उसके बारे में बात करें, दूसरों को भी रास्ता दिखाए। लेकिन रास्ता दिखाते-दिखाते हम दूसरों का अपमान करने को ही अपनी सलाह देने का तरीका बना लेते है।

हम क्यों नहीं यह समझते कि सब कुछ अस्थायी है। हमारी सफलता, हमारा जीना, हमारा ओहदा, हमारा रूतबा सबकुछ किसी भी समय किसी ओर का हो सकता है। हमें अपनी सफलता से किसी दूसरे के लिए भी रास्ता बनाना चाहिए। हमें अपने हर कदम को रखते हुए, अपने द्वारा की गई मेहनत के उन क्षणों को याद करना चाहिए। उस हर पल का धन्यवाद देना चाहिए कि परमात्मा ने आपको दूसरों की सहायता के काबिल बनाया।

इस अस्थायी जीवन में आपका नाम आपके व्यवहार के कारण स्थायी रह सकता है। कठिन परिश्रम से मिली सफलता के हाथी का महावत बनाना तो आसान है, लेकिन सफलता रूपी हाथी बनना कठिन है, हाथी वही बन सकता है जो धीमे-धीमे चलकर अपनी मंजिल को भी पा लें, और धैर्यता से अपने साथियों के साथ-साथ बिना उन्हें नीचा दिखाए अपने से छोटों को के लिए भी रास्ता बनाए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ऑफर की ताक में भिया लोग

त्यो हारों के मौसम हो, और बाजार में ऑफर न हो। ऐसा कभी हुआ है? ऑफ़र तो कौड़ियों के मोल मिलते हैं। हर दुकान, शोरूम और प्रतिष्ठानों पर स्लोगनों, टैग लाइन की बाढ़ सी रहती है। इस बाढ़ में मानव मन डूबने से बच नहीं पाता। दिमाग काम नहीं करता और सोचने-समझने की शक्ति का हरण हो जाता है। जो व्यक्ति बाजार में जाकर ऑफर का अनादर करता है, उसे बाजारवाद की भाषा में अनुदार कहा जाता है।

बाजारवाद के इस समंदर में सिर्फ गोते लगाने से काम नहीं चलता, इसमें जनता को तैरना भी आना चाहिए। जो इसमें तैर जाता है वह कई ऑफरों के रत्न लेकर ही बाहर आता है। अभी-अभी बीते त्योहारी सीजन की एक घटना ने सच में दिमाग को सुन्न कर दिया। बाइक के शोरूम पर सबसे आकर्षक ऑफर तो मुझे पांच लीटर ईंधन फ्री वाला लगा। काश! इसे मासिक कर दिया जाता तो...। लाड़ली बहना की तरह देश और राज्य के सारे भिया लोग भी खुश म खुश हो जाते और सरकार के गुण गाते नहीं अघाते। सरकार की बुनियाद में अब लाड़ली बहना का आशीर्वाद रूपी कंक्रीट भरा हुआ है। जिसे दूसरे ऑफर हिला भी नहीं सकते। अब जब भी छोटे या बड़े चुनाव होते हैं, महिला मंडल साड़ियों के ऑफर नकार देती हैं। कई महिलाएं तो यह कहने से नहीं चूकती कि अब तो 'केश' का जमाना है। वह भी ऑन लाइन, चाहे वह बैंक के माध्यम से आए या फिर ऑनलाइन पेमेंट एप्स के वॉलेट से।

जब से एक प्रदेश में बहनाओं के लिए ऑफर शुरू हुआ तो यह अन्य राज्यों में भी महामारी की तरह संक्रामक होकर फैल गया। इस संक्रमण के चलते वहां भी अपना चमत्कार दिखा ही दिया। अब तो दिल्ली दरबार भी इसे स्थायी योजना बनाने पर तुला हुआ है। सबकुछ बहनों के लिए। कहीं भियाओं की त्योरी तन गई तो? खैर, अब देखिए न ऑफर और रेवड़ी में बहुत साफ फर्क है। रेवड़ी पर बदनामी का इतना ठीकरा फोड़ा गया कि लोग अब दुकान पर भी रेवड़ी रखने और खरीदने से कतराने लगे हैं। तिल्ली और शकर की चाशनी के मिश्रण से ठीक वैसी बनी रेवड़ी, जैसे पार्टियों के गठबंधन होते हैं। अब अपनी साख गंवा चुके हैं। लोग भी अब रेवड़ी के बजाय गजक के चक्कर में रहते हैं। यही गजक नए रूप में नकद ऑफर के अवतार में जग का कल्याण करने के लिए आई हुई है। बहनाओं के साथ किसान भी तो हर महीने मिलने वाली राशि के ऑफर के चक्कर में एमएसपी भूलते जा रहे हैं। अब उन्हें आय दुगनी करने की आवाज भी अंतर आत्मा में सुनाई नहीं देती। युवा वर्ग तो बेचारा फ्री फायर खेलते-खेलते इस फायर की चपेट में आ गया है। अब उन्हें अग्निवीर कहलाने में गर्व हो रहा है। भले ही चार साल बाद वे वापस फ्री होकर फ्री फायर खेलते नजर आएंगे, लेकिन इस ऑफर को भी वे असेप्ट कर रहे हैं।

पहले के जमाने में कर्ज लेना बुरा माना जाता था, लेकिन ऑफर युग में कर्ज लेना अपनी कॉलर खड़ी करने का माध्यम है। जो जितना अधिक कर्ज लेगा वह उतना समृद्ध राज्य कहलाएगा। अब सभी राज्य इस होड़ में दौड़ रहे हैं। बेचारे विद्यार्थी पसोपेश में हैं कि एक तो टीचर की मार और माता-पिता की डांट खाकर 80 से 90 परसेंट नंबर लेकर आए, लेकिन उनकी प्रोत्साहन योजना कहीं दूर बैठकर सिसक रही है और बच्चे लेपटॉप और बालिकाएं स्कूटी के लिए आंखे फाड़-फाड़ के देख रही हैं। सरकार है कि इस ऑफर के मामले में टस से मस नहीं हो रही है। इधर, ये सब चल रहा है, सरकारें बन रही है, लेकिन मुख जैसा मुखिया रेत में सुई ढूंढने के समान हो गया है। ऑफर के दम पर सरकार बन तो गई। किसान की सरसों नहीं पकी। इधर, नेताजी भी किसी ऑफर की तलाश में हैं, उनके कुर्ते पर लिखा हुआ है, टिकाऊ हैं इसलिए तो बिकाऊ हैं, कोई ऑफर तो करे...।

योग नगरी

मुकेश अग्रवाल

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सांस्कृतिक सम्मोहन में खींची, दुनिया की योगनियां

योग नगरी ऋषिकेश से कोई चालीस किलोमीटर की दूरी पर बसे सिंगथाली गांव के निकट बड़ी संख्या में विदेशी साधकों का हुजूम लगा था। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका,इंडोशिया, ईरान, ताइवान, चीन यहां तक कि पाकिस्तान से योग के जिज्ञासु भी शामिल थे। गांव के ठीक नीचे पुण्य सलिला गंगा की लहरों का अंतर्मन को भिगोना वाला संगीत साधकों को सम्मोहित कर रहा था।

जैसे ही सूर्य की रश्मियां टिहरी गढ़वाल की इस तलहटी में नवजीवन का संचार करने लगी, ये तमाम विदेशी योगी-योगनियां अपने तांबे, चांदी व मिश्रित धातुओं के पात्रों से सूर्य को अर्घ्य देने लगते हैं। ये क्रम निरंतर कई घंटों तक चलता है। दरअसल, ये विभिन्न देशों, संस्कृतियों व धर्मों के साधक जल साधना के जरिये ध्यान की एकाग्रता का लक्ष्य हासिल कर रहे थे। साम्यवादी चीन, लोकतांत्रिक ताइवान, कठमुल्ला संस्कृति के वाहक ईरान व पाकिस्तान के विभिन्न धर्मी लोगों को सूर्य को अर्घ्य देते देखना रोमांचित करता है। ये योग की जोड़ने की संस्कृति का जीवंत प्रमाण ही है।

गंगा की धारा के मध्य एक दिव्य योगी का सूर्य को अर्घ्य देते हुए जल साधना करना योग साधकों को रोमांचित कर जाता है। उनके साथ एक ब्रिटिश साधक परछाया की तरह सदैव मौजूद रहते हैं। बेंगलुरू स्थिति योग अनुसंधान संस्थान अक्षर योग केंद्र के सूत्रधार हिमालय सिद्ध अक्षर की उपस्थिति योग साधकों को रोमांचित कर जाती है। पिछले वर्षों में आधा दर्जन से अधिक आसनों के प्रदर्शनों के जरिये विश्व विख्यात गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में उपस्थिति दर्ज करा चुके हिमालय सिद्ध अक्षर के अनुयायियों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। गंगा के तट पर मार्गदर्शन कर रहे योगी व योगनियों का श्रद्धा व विश्वास से निरंतर सूर्य को अर्घ्य देने एक सुखद अनुभव दे जाता है।

निस्संदेह, यह योग की ताकत ही है दुनिया की अलग-अलग शासन व्यवस्थाओं, विभिन्न महाद्वीपों, संस्कृतियों व धर्मों से जुड़े लोग यहां श्रद्धा भाव से यौगिक क्रियाओं को संपन्न कर रहे थे। उनके लिये योग व ध्यान की समृद्ध परंपराएं धार्मिक विश्वासों में बाधक नहीं है। ये योग की वैश्विक सर्व स्वीकार्यता है कि इन युवा योग साधकों को भारत की धरती सम्मोहित करती है। ये अद्भुत सांस्कृतिक मेला नजर आता है। इस विशिष्ट योग सम्मेलन में भाग लेने वालों में कॉरपोरेट जगत के बड़े अधिकारी शामिल हैं। उनमें एक नवविवाहित युगल, एक भरा-पूरा

परिवार, एक प्रेमी युगल, एक विवाह को तिलांजलि देकर आई आत्मनिर्भर युवती और एक सत्तर वर्षीय चीनी महिला भी शामिल रही। वे न केवल गंगा के महात्म्य के साथ योग साधना करते रहे बल्कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति खान पान व रीति रिवाजों से भी परिचित होते रहे। उन्होंने उत्तराखंड के रीति-रिवाजों व संस्कृति में खासी रुचि दिखायी। उन्हें तमाम विदेशी व्यंजनों के बजाय उत्तराखंड के परंपरागत खाद्य पदार्थ व मिठाइयां रास आई। खानपान में मंडवे का डोसा, अरसे, स्वाली और आलू-मूली की थिचौंडी उन्हें अपने विशिष्ट स्वाद के लिये प्रभावित करती रही।

पिछले दिनों ताइवान की यात्रा से लौटे अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु हिमालय सिद्ध अक्षर बताते हैं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा योग को मान्यता देने से इसकी स्वीकार्यता वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। लोग लगातार अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। आधुनिक चिकित्सा के बजाय योग व प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि ले रहे हैं। भारत को योग की जन्मस्थली की रूप में स्वीकार्यता मिल रही है। वे बताते हैं कि इस योग रिट्रीट में साधकों को आसन, प्राणायाम व ध्यान के साथ योगदर्शन के आध्यात्मिक पक्ष से भी अवगत कराया गया। ये योग साधक मशीनी होती जिंदगी की ऊब से मुक्त होने के लिए भारत आते हैं। सही मायनों में योग हमारे मनोकायिक रोगों में एक अचूक दवा का काम करता है।

दरअसल,रोग हमारे मन के दोषों से भी पनपते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल दिमाग को प्रदूषण से मुक्त करके योग साधना से सुकून हासिल करना उनकी प्राथमिकता है। वे आसपास के गंगा से जुड़े तीर्थों तक पहुंचे। देवप्रयाग का तीर्थाटन उन्हें मंत्रमुग्ध कर गया। एक पूरे दिन उन्होंने संगम पर जल साधना के जरिये आध्यात्मिक साधना के अविस्मरणीय अनुभव हासिल किये। निश्चय ही भारत से पवित्र अहसास लिये ये साधक कालांतर अपने अपने देशों में भारत के सांस्कृतिक दूत की भूमिका निर्वहन करेंगे। सिंगथाली के सुरम्य प्राकृतिक अधिवास में गंगा का सानिध्य इन विदेशी योग साधकों को भावविभोर कर गया। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुषमा उन्हें मंत्रमुग्ध कर गयी। इस पंद्रह दिन को योग पर्व में उन्होंने योग की विभिन्न आयामों से रूबरू होने का शुभ अवसर पाया और इसका भरपूर लाभ भी उठाया।

प्रातः कालीन सत्र में आसन, प्राणायाम व ध्यान, दिन में योग जिज्ञासाओं पर मंथन और रात्रि के सत्रों में योग के बौद्धिक विमर्श में इन विदेशी मेहमानों ने सक्रिया भागेदारी निभायी। इन विदेशी साधकों की योग जिज्ञासाओं के निराकरण के लिये कई विशेष सत्र भी इस दौरान आयोजित किए गए। वहीं गंगा के तट पर रोज होने वाली संध्या कालीन गंगा आरती इन साधकों के लिये एक पर्व जैसा होता था। घाटी की गहराई में पहाड़ी इलाका होने के कारण सूर्य जल्दी ही ओझल हो जाता है ऐसे में आरती में प्रयुक्त होने वाला कई ज्योतियों वाली दीप माला इन विदेशी मेहमानों को रोमांचित कर जाती है। वे फिर अपनी योग साधनाओं में गहरे उतर जाते।

हिमालय सिद्ध अक्षर बताते हैं कि योग को वैश्विक मान्यता मिलने के बाद दुनिया के लाखों साधक भारत आकर योग की जन्मभूमि से रूबरू होना चाहते हैं। दरअसल, भौतिक सुखों की विसंगतियां इनको उपभोक्तावादी संस्कृति से विमुख कर रही है। वे सुकून की तलाश में योग की जन्मभूमि भारत इसके सम्मोहन में बंधे चले आते हैं। यह क्रम सालों साल चलता रहता है। उन्हें भौगोलिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक व धार्मिक सीमाएं बांध नहीं पाती। विडंबना यह है कि विदेशों में लोग जिस भौतिक संस्कृति का परित्याग करने को प्रयासरत हैं, भारत में उसका अनुकरण शान समझा जाता है। ऐसे में योग का सानिध्य हमें सुखमय जीवन की राह दिखाता है।

मानसिक स्वास्थ्य

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक विश्लेषक हैं।

प्रेरणामद: एक नशा जो कर रहा है जिंदगी पर कब्जा

क्या आप भी सोचते हैं कि एक और रील देखने के बाद काम शुरू करेंगे? सोशल मीडिया पर मोटिवेशनल रील्स की बाढ़ आ चुकी है। सुबह उठते ही लोग रील्स देखने लगते हैं और सोने से पहले भी वही करते हैं। खुद को प्रेरित करने के चक्कर में वे अनजाने में प्रेरणामद का शिकार हो जाते हैं।

प्रेरणामद क्या है?

यह शब्द मैंने (डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी) ने गढ़ा है। यह दो शब्दों 'प्रेरणा' और 'मद' (नशा) से बना है। इसका अर्थ है ङ्क मोटिवेशनल रील्स और कंटेंट का ऐसा नशा, जो आपको प्रेरणा का झूठा अहसास देता है, लेकिन असल जिंदगी में कोई बदलाव नहीं लाता।

इसी अवधारणा को अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में पेश करने के लिए मैंने एक और शब्द गढ़ा – Motiveto&icationÐ यह Motivation + Into&ication का मेल है और इसका मतलब भी वही है- मोटिवेशन का नशा।

इस लेख का उद्देश्य आपको यह समझाना है कि प्रेरणामद (Motiveto&ication) कैसे काम करते हैं, कैसे ये आपकी जिंदगी पर असर डालते हैं और इस जाल से बाहर कैसे निकला जा सकता है।

प्रेरणामद कैसे आपकी जिंदगी को चुपचाप बर्बाद कर रहा है?

क्या आपने कभी महसूस किया है कि आप दिन के 2-3 घंटे सिर्फ रील्स देखने में बर्बाद कर देते हैं? आप सोचते हैं, 'बस 5 मिनट और,' और फिर देखते ही देखते 1-2 घंटे गुजर जाते हैं।

इस आदत का असर आपकी कार्य क्षमता, मानसिक शांति और फैसले लेने की क्षमता पर पड़ता है। जो समय आपको काम करने में लगाना चाहिए था, वह सिर्फ रील्स देखने में चला जाता है। आपको लगता है कि आपने बहुत कुछ सीख लिया है, जबकि असल में कुछ भी नहीं बदला।

कैसे पता करें कि आप प्रेरणामद के शिकार हो चुके हैं?

अगर आप नीचे दिए गए लक्षणों को महसूस कर रहे हैं, तो हो सकता है आप भी प्रेरणामद या Motiveto&ication के शिकार हों-

समय की बर्बादी: आप सोचते हैं कि सिर्फ 5 मिनट देखूंगा, लेकिन 1-2 घंटे कैसे निकल गए, पता ही नहीं चलता।

काम टालना: हर बार काम करने से पहले 'थोड़ी प्रेरणा' लेने के लिए रील्स देखने लगते हैं।

फर्जी आत्मसंतोष: आपको लगता है कि आपने कुछ नया सीखा है, लेकिन असल में आपने कुछ नहीं किया।

तनाव और आत्म-संदेह: बार-बार मोटिवेशन के बावजूद, जब परिणाम नहीं मिलता, तो आप खुद को दोषी मानने लगते हैं।

कैसे फंस जाते हैं लोग प्रेरणामद के जाल में?

यह प्रक्रिया बेहद साधारण है और बिना जाने ही आप इस चक्र में फंस जाते हैं।

मुश्किल काम टालना: जैसे पढ़ाई, ऑफिस का काम या कोई बड़ा प्रोजेक्ट।

प्रेरणा की तलाश: आप सोचते हैं, 'पहले थोड़ा मोटिवेशन ले लेता हूं।'

रील्स देखना शुरू करते हैं: आपको पहली रील में मजा आता है।

डोपामाइन रिलीज होता है: रील देखकर मस्तिष्क में 'डोपामाइन' रिलीज होता है, जो आपको ताजगी का अहसास कराता है।

एक और रील देखने की इच्छा होती है: आप दूसरी रील देखने लगते हैं।

टाइम की बर्बादी: 2-3 घंटे यूं ही गुजर जाते हैं और काम अधूरा रह जाता है।

यही है प्रेरणामद का चक्र, जिसमें लाखों लोग फंसे हुए हैं।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

भावनाओं के वेग को जरा नई दिशा दीजिए ...

बोलचाल की भाषा में कहा जाए तो आजकल के दौर में आदमी का प्रैक्टिकल होना, आज के दौर की जरूरत बन गया है। यह स्थिति कुछ इस प्रकार दिखाई देती है जैसे कि शराफत को कमजोरी ही समझ लिया जाए। दरअसल भौतिकता की चकाचौंध में आम आदमी की मानसिकता ही कुछ इस कदर बन गई है कि सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रिय शख्सियत को संदेह की नजरों से देखा जाने लगा है। यह आम अनुभव में आई हुई बात होती है कि राजनीति में सक्रिय रहने पर तमाम तरह के आक्षेप और समाज सेवा में सक्रिय रहने पर जमाने भर के गतिरोध, कर्ता की भावनाओं से खिलवाड़ करते नजर आते हैं। इन क्षेत्रों में अच्छी से अच्छी उपलब्धियों का परचम चाहे लहरा दिया जाए, कलंक के छींटे से बच नहीं सकते। एक प्रकार से इन क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी भी निरापद नहीं रही। यही कारण है कि अनेक उदारमना परमार्थ की प्रबल भावना के बावजूद अपनी भावनाओं को मात्र भावना ही बने रहने देना चाहते हैं। यानी कि उसे क्रिया रूप में रूपांतरित नहीं किया करते।

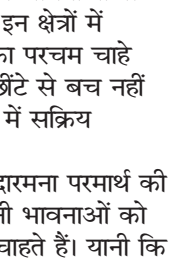

जीवन में ऐसे अवसर भी आते हैं जब कोई अति भावुकता में कोई निर्णय ले लेवें, लेकिन उसका अपेक्षित परिणाम सामने नही आए। और तो और ऐसे किसी निर्णय को स्वार्थ प्रेरित दृष्टिकोण निरूपित किया जाने लगे। तो बहुत स्वाभाविक है कि मन को बहुत कोफ्त होती है। दरअसल एकतरफा भावना भाने का आजकल के दौर में कोई अर्थ ही नहीं रह गया है। यही कारण है कि जमाने की हवा को देखते हुए किसी समय के भावना प्रधान लोग भी अपने आचरण और व्यवहार को व्यावहारिक जामा पहनाने लगे हैं। बोलचाल की भाषा में कहा जाए तो आजकल के दौर में आदमी का प्रैक्टिकल होना, आज के दौर की जरूरत बन गया है।

यह स्थिति कुछ इस प्रकार दिखाई देती है जैसे कि शराफत को कमजोरी ही समझ लिया जाए। दरअसल भौतिकता की चकाचौंध में आम आदमी की मानसिकता ही कुछ इस कदर बन गई है कि सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रिय शख्सियत को संदेह की नजरों से देखा जाने लगा है। यह आम अनुभव में आई हुई बात होती है कि राजनीति में सक्रिय रहने पर तमाम तरह के आक्षेप और समाज सेवा में सक्रिय रहने पर जमाने भर के गतिरोध, कर्ता की भावनाओं से खिलवाड़ करते नजर आते हैं। इन क्षेत्रों में अच्छी से अच्छी उपलब्धियों का परचम चाहे लहरा दिया जाए, कलंक के छींटे से बच नहीं सकते। एक प्रकार से इन क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी भी निरापद नहीं रही।

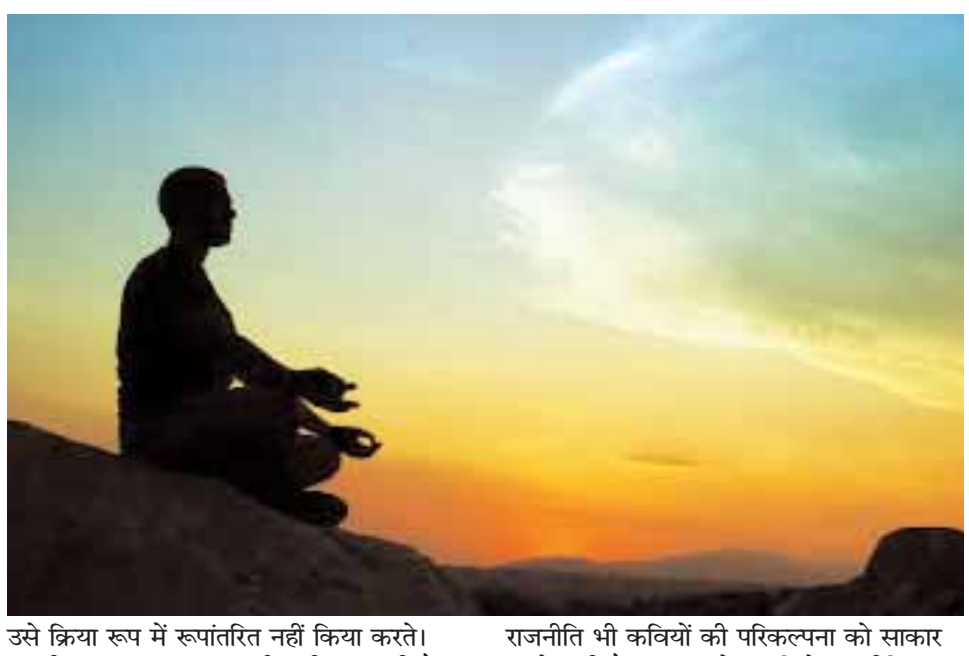

यही कारण है कि अनेक उदारमना परमार्थ की प्रबल भावना के बावजूद अपनी भावनाओं को मात्र भावना ही बने रहने देना चाहते हैं। यानी कि उसे क्रिया रूप में रूपांतरित नहीं किया करते। उनकी भावना बस भावना ही बनी रह जाती है। यह एक अनुभवजन्य तथ्य है कि समाज सेवा के प्रति प्रबल रूप से समर्पित मनोभाव भी ऐसे वातावरण में हतोत्साहित हो जाता है। आजकल राजनीति भी कवियों की परिकल्पना को साकार करने लगी है। वास्तव में इन दिनों राजनीति का सर्वव्यापीकरण प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। यह जब चाहे तब चाहे जहां हो जाती है और चाहे जैसी हो जाती है। राजनीति से इतर भी राजनीति होती है, राजनीति के मायने राजनीतिक हथकंडों के रूप में लिए जा सकते हैं।

यह वह राजनीति नहीं होती जिसे आप और हम समझ रहे हैं। वास्तव में यह ऐसी राजनीति होती है जो इसे हटाओ उसे बैठाओ के रूप में जुड़ी होती है। कब, किस मामले में किस तरह की राजनीति हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। काश, कि राजनीति में ही राजनीति होती और कहीं नहीं होती! मुद्दे की बात यह है कि इन तमाम परिस्थितियों के चलते आदमी को अपनी भावनाओं के वेग को थाम कर चलना निहायत ही जरूरी है। जहां तक परोपकार की भावना का प्रश्न है, बिना सामने आए भी इस क्रिया को मूर्त रूप दिया जा सकता है। जिसके चलते लौकिक रूप से यश कीर्ति चाहे न मिलें, लेकिन अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति की जा सकती है।

वैसे भी समय, श्रम और धन का दान किसी अन्य के मानस पटल पर अंकित हो जाए या नगद दान की रसीद मिल जाए, तो यह तो एक प्रकार का 'विनिमय' ही होगा। वैसे भी बिना किसी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रतिफल की आशा के साथ किसी लोकोपयोगी क्रिया में दिया गया अंशदान ही सच्चे अर्थों में परोपकार की परिभाषा में शामिल होना चाहिए। एकदम निःस्वार्थ यानी कि विशुद्ध रूप से निःस्वार्थ। जिसमें प्रतिफल के नाम पर सिवाय आत्मिक संतुष्टि के अतिरिक्त और कुछ नहीं हो। वैसे भी किसी भी प्रकार का दान देने की भावना अंतर्मन की आंतरिक भावनाओं का सैलाब ही हुआ करती है। अंतरंग की इस प्रसन्नता के सम्मुख भौतिक रूप से मान सम्मान का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठना चाहिए।

ऐसा नहीं है कि जमाने की विपरीत हवा को देखकर परोपकार का भाव ही मन में हम नहीं लाएं। निश्चित रूप से परोपकार ही समस्त धर्मों का सार तत्व निरूपित किया जा सकता है। इसलिए अपनी उदार भावनाओं को केवल और केवल आत्मीय सुकून की दृष्टि से क्रियान्वित कर देना ही बेहतर होगा। इसके लिए किसी संस्था या किसी अन्य माध्यम की कतई आवश्यकता नहीं है। जब जहां जो सुपात्र नजर आ जाए, उसकी मदद कर देना ही काफी होगा। कल्पना कीजिए जब बिना किसी संस्था या अन्य माध्यम के ऐसा परोपकार होने लगेगा। तब परोपकारी के हजारों भाई बंधु होंगे, हजारों पुत्र पुत्रीवत होंगे। तब 'वसुधैव कटुंबकम' की परिकल्पना साकार हो उठेगी।

नदी पर धीमी गति से चल रहा पुल निर्माण कार्य, ग्रामीण परेशान

शाहपुर। ग्राम पंचायत पावर झंडा के ग्राम जामुनढाना में नदी के ऊपर बन रहे पुल के निर्माण की गति धीमी है। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बनी हुई है। लगभग एक वर्ष हुए ग्राम जामुन ढाना की नदी पर पुल निर्माण कार्य शुरू हो गया है। ग्रामवासियों का कहना है कि यह कार्य बहुत ही धीमी गति से हो रहा है। बारिश के मौसम में नदी में बारिश का पानी आ जाएगा और बारिश के पानी का बहाना पुल निर्माण के कार्य को रोक देगा। अभी नदी में पानी एकदम कम हो गया है, फिर भी पुल निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की तेज गति दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्या इस वर्ष भी यह पुल बनकर तैयार हो पाएगा या फिर फिर बारिश आते ही नदी में पानी की समस्या से निपटना पड़ेगा।

आज से आरंभ होगा तीन दिवसीय योग-आरोग्य शिविर

बैतूल। योग का महाकुंभ आज 13 दिसंबर से शुरू होगा। इसके लिए तैयारी पूर्ण कर ली है। पतंजलि योगपीठ से स्वामी परमार्थ देव और देश-विदेश के प्रसिद्ध आर्युवेदाचार्य डॉ. गजेन्द्र डहरवाल भी बैतूल आ चुके है। गौरतलब है कि बैतूल जिला

मुख्यालय के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में 13, 14 और 15 दिसंबर को सुबह 6 बजे से 8 बजे तक योग शिविर आयोजित होगा। योग शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी डॉ. परमार देव जी योग साधकों के साथ योग करेंगे। सुबह 9 से 5 बजे आरोग्य चिकित्सा शिविर में प्रसिद्ध आर्युवेदाचार्य डॉ. गजेंद्र डहरवाल के नेतृत्व में आरोग्य शिविर में उपस्थित रहेगे। इसमें महती भूमिका डॉ. संदीप पाल के मार्गदर्शन में ओम आयुर्वेदिक कॉलेज बैतूल की होगी। वहीं जिला स्वास्थ्य विभाग और जिला आयुष विभाग की टीम भी सक्रिय रहेगी। योग आरोग्य शिविर के संयोजक सुनील द्विवेदी और पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े ने बताया कि सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है और आज शुक्रवार सुबह 6 बजे से योग और बाद में आरोग्य शिविर आरंभ हो जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर-एसपी ने किया निरीक्षण

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 19 दिसंबर को जिले में प्रस्तावित जनकल्याण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और एसपी निश्चल झरिया ने व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। सबसे पहले कलेक्टर, एसपी कार्यक्रम स्थल पुलिस ग्राउंड पहुंचे, उन्होंने यहां मंचीय व्यवस्था,

टेंट और बैठक व्यवस्था के लिए ले आउट के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, चलित शौचालय, पार्किंग इत्यादि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। इसके बाद कलेक्टर-एसपी ने जेएच कॉलेज में प्रस्तावित हेलीपैड स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को मानक मापदंडों के अनुरूप अस्थाई हेलीपैड निर्माण का काम किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय सीमा में पूर्ण की जाए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, एसडीएम राजीव कहार सहित लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका सहित अन्य संबंधी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

किसान की संदिग्ध हालत में मौत, खेत में मिला शव

बैतूल। माल सिवनी गांव में गुरुवार को एक किसान का शव संदिग्ध हालत में खेत में मिला। किसान खेत पर सिंचाई करने गया था, जब सुबह नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की, तो उसका शव खेत में पड़ा मिला। जानकारी के मुताबिक प्रेमलाल (38) पिता ननकू मर्सकोले बुधवार शाम 4 से 5 बजे के करीब अपने घर से खेत में फसलों को पानी देने का बोलकर निकला था। उसके बाद किसान घर नहीं लौटा। परिजनों को लगा कि किसी परिचित के घर चला गया होगा। इसलिए रात में घर नहीं आया। गुरुवार सुबह जब परिजन खेत पहुंचे तो उन्होंने देखा कि प्रेमलाल संदिग्ध हालत में मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा कर शव जिला अस्पताल लाया गया। जहां पोस्टमॉर्ट्म के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच अधिकारी ने बताया कि मृतक का शव खेत में ही औंधी हालत में मिला है। आशंका है कि उसे हार्ट अटैक हुआ है। पीएम रिपोर्ट के बाद मृत्यु की असली वजह सामने आ सकेगी।

आरोप- भगवान भरोसे नहरों के हालात, नहरों की सफाई किये बगैर छोड़ दिया पानी

कहीं खेत बन रहे तालाब, तो कहीं पानी के लिए किसान परेशान

संजय द्विवेदी

बैतूल। जिले के किसानों की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। पहले खाद और अब सिंचाई के लिए पानी को लेकर किसान परेशान है। किसानों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग ने नहरों की सफाई नहीं कराई और पानी छोड़ दिया। जिससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। कहीं-कहीं हालात ऐसे है कि नहर फूट रही है और खेत तालाब बन रहे है। पहला मामला सांपना जलाशय से निकलने वाली डी-1 नहर से पानी आगे नहीं बढने का है। पानी आगे नहीं बढने से पानी खेतों में भरा रहा है। जिससे फसलों को काफी नुकसान पहुंचा। वहीं दूसरा मामला प्रभातपट्टन विकासखंड के बाड़ेगांव का है, जहां के किसान पानी को तरस रहे है। यहां किसानों को चंदोरा जलाशय की नहर से पानी दिया जाता है, लेकिन पांच नंबर प्वाइंट पर बने ड्रम की ऊंचाई अधिक कर देने से पानी पर्याप्त नहीं पहुंच रहा है। जिससे एक हजार एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई प्रभावित हो रही है। इसकी शिकायत जिला पंचायत सदस्य ऊर्मिला गव्हाडे, रमेश गव्हाडे, जनपद सदस्य रमेश मोहने, मनोज सोलंकी, ओमकार सोलंकी, रामराव देशमुख, सायबू पांसे, गोकुल सोलंकी, पंजाबराव धोटे ने

जिला मुख्यालय पहुंचकर की है। सभी ने एक स्वर में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की मांग की। किसानों का कहना है कि नहरों की सफाई नहीं होने का नतीजा यह है कि किसानों को पानी मिलने में न सिर्फ देरी होगी बल्कि, उनकी फसलें खराब होने का भी खतरा बना रहेगा और इसका असर उत्पादन पर भी पड़ेगा।

नहरों की सफाई में अनदेखी- नहर सहित माइनर शाखाओं को दुरूस्त करने व सफाई करने के लिए पानी छोडने से पहले हर साल बजट स्वीकृत किया जाता है। लाखों रुपए का बजट सिर्फ नहरों की सफाई के लिए स्वीकृत होता है। बावजूद समय पर नहरों की सफाई नहीं कराई जाती है। जिससे नहरें जर्जर होने से कई बार स्थिति यह बन जाती है कि, नहरें फूट जाती है। क्योंकि कचरा जमा होने से पानी रुक जाता है और नहर पानी की मात्रा झेल नहीं पाती और फूट जाती है। किसानों का कहना है कि जल संसाधन विभाग के चक्कर लगा रहे। जिला मुख्यालय पहुंच रहे, लेकिन किसानों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा, जबकि अब किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए पानी की जरूरत है।

नहरों पर निर्भर किसानों की बढ़ी चिंता

सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेडीकोर्ट के किसान संजय बारस्कर का कहना है कि कई किसानों ने सूखे में ही बोवनी कार्य कर दिया था। ऐसे किसानों को अब सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता है। श्री बारस्कर का कहना है कि किसानों को पाइप और नोजल भी नहीं बांटे है, जबकि पाइप बांटे जाने चाहिए। जिनके पास सिंचाई के साधन है, वह किसान तो कुंए-ट्यूबवेल से सिंचाई कर लेते है, लेकिन जो किसान सिंचाई के लिए नहरों पर निर्भर है, उनकी परेशानियां बढ़ गई है। किसानो ने बताया कि फसलों को पर्याप्त पानी नहीं मिला तो फसले प्रभावित होगी। दाना पतला रह जायेगा और उत्पादन कम होगा। जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

इनका कहना है –

सांपना जलाशय का जो मामला है, उसमें न तो नहर टूटी है और न ही कचरा फसा है। टेल क्षेत्र तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी, परंतु कुछ किसानों ने अपना आऊटलेट बंद नहीं किया। बडोरा बस्ती के पास सीमेंटीकरण होने से पानी की निकासी नदी तक नहीं हो पा रही है। बाडेगांव में कुछ किसान शुरूआत के पाइंट से डायरेक्ट पानी ले रहे थे। हमारे द्वारा टेल क्षेत्र में पानी पहुंचाने के लिए व्यवस्था सुधारने के लिए पंप ऊपर उठाया गया था। खेडीकोट में ऑऊटलेट से मोटर लगाकर पानी चुराने वालों पर एफआईआर दर्ज कराई जायेगी। जहां तक नोजल पाइन वितरण की बात है तो यह चार स्कीम में वितरण नहीं किया जाता था, सिर्फ दो स्कीम में ही नोजल पाइप का वितरण होता है, जो कर दिया है।

– विपिन वामनकर,
ईई, जल संसाधन विभाग, बैतूल

सारणी नपा उप चुनाव में कांग्रेस की रेखा जीती

भाजपा की लक्ष्मी नगदे को 160 वोटों से हराया

बैतूल। सारणी नगरपालिका के वार्ड नम्बर 33 के लिए हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रेखा सुनील भलावी ने भाजपा की लक्ष्मी नगदे को हराया। रेखा भलावी को 383 वोट मिले, जबकि भाजपा की लक्ष्मी 223 वोट ही प्राप्त कर सकीं। बता दे कि प्रशासन ने बीते 9 दिसम्बर को वार्ड

पार्षद के लिए चुनाव कराया था। मतदान में कांग्रेस प्रत्याशी रेखा सुनील भलावी को 383 जबकि भाजपा की लक्ष्मी नगदे को 223 और निर्दलीय शोभा को 98 वोट मिले। नोटा को मतदाताओं ने 5 वोट दिए हैं। शाहपुर एसडीएम अभिजीत सिंह ने मतगणना के बाद चुनाव के नतीजे घोषित किए। उन्होंने विजयी प्रत्याशी को निर्वाचन प्रमाण पत्र भी भेंट किया है। गौरतलब रहे कि इस वार्ड में भाजपा की पार्षद संगीता प्रवीण सूर्यवंशी के शिक्षक बन जाने और नौकरी ज्वाइन करने से यह सीट खाली हो गई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में जिले में संभाग स्तरीय जनकल्याण कार्यक्रम 19 दिसंबर को

पूरी गंभीरता के साथ समय पर कार्यों को पूर्ण करने के दिए निर्देश

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 19 दिसंबर को जिले में प्रस्तावित संभाग स्तरीय जनकल्याण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बैठक में मिनट 2 मिनट कार्यक्रम की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को दायित्व सौंपे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम पूर्ण गरिमा और भव्य ढंग से आयोजित किया जाए। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों को पूरी गंभीरता के साथ समय पर पूर्ण करें। कार्यक्रम स्थल पर कृषि, हॉर्टिकल्चर, शिक्षा, ट्राइबल, एनआरएलएम एनयूएलएम इत्यादि विभाग अपनी प्रदर्शनी लगाएं। उन्होंने विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्व सहायता समूह और स्वरोजगार मूलक योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेएच कॉलेज पर मानक मापदंडों के अनुरूप हेलीपैड निर्माण का काम लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम

स्थल पुलिस परेड ग्राउंड में माध्यम से समन्वय कर टेंट निर्माण का कार्य करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को दिए। कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, पेयजल, चलित शौचालय, लाइटिंग और इंटरनेट कनेक्शन किए जाने के निर्देश नगर पालिका को दिए। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी को निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि मंचीय व्यवस्था संभाग स्तरीय कार्यक्रम के अनुरूप ही की जाए। ग्रीन रूम में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश जिला आबकारी अधिकारी और जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दिए। कार्यक्रम स्थल पर कन्या पूजन, मंच संचालन, हितलाभ वितरण और प्रदर्शनी के लिए व्यवस्थाएं करने के निर्देश जिला पंचायत को दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के सभी व्यवस्थाएं की जाए। उन्होंने सेक्टरवार कार्यपालिक मेजिस्ट्रेट्स की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद, एसडीएम राजीव कहार सहित सभी संबंधी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

बैतूल में शुरू हुआ ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप

वन विभाग ने 2 महीने का विशेष अभियान चलाया

- जंगलों को सुरक्षित बनाने की पहल, रात-दिन गश्त शुरू

बैतूल। जिले में वन्यजीव संपदा की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप की शुरुआत कर दी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देश पर और दक्षिण बैतूल वनमंडलाधिकारी विजयानन्त्म टी.आर. के मार्गदर्शन में यह विशेष अभियान 1 दिसंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक संचालित किया जाएगा।

इस अभियान के तहत वन विभाग की क्षेत्रीय इकाइयों के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात सघन गश्त और सर्चिंग कर रहे हैं। गश्त के दौरान फैंसिंग और कृषि क्षेत्रों में वन्यजीवों के शिकार के लिए लगाए गए फंदों और बिजली के तारों की सर्चिंग की जा रही है। यदि किसी वन्यप्राणी को फंदे में फंसा पाया जाता है तो निकटतम रेस्क्यू स्क्वाड की सहायता से उसे तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान की निगरानी के लिए उपवनमंडलाधिकारी मुलताई (सा.)

को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। गश्त के दौरान यदि किसी अपराधी का पता चलता है तो उनके खिलाफ विधिवत प्रकरण पंजीबद्ध कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। वन्यजीव विचरण वाले क्षेत्रों में बिजली की लाइनों के नीचे गश्ती के लिए वन विभाग ने बिजली कंपनी के साथ मिलकर अभियान चलाया है। यदि किसी क्षेत्र में शिकार के लिए बिजली के करंट वाले तार फैलाए जाने की सूचना मिलती है तो तत्काल जांच कर अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है। वनमंडलाधिकारी विजयानन्त्म टी.आर. प्रतिदिन इस अभियान की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में वन्यजीवों की सुरक्षा से समझौता न किया जाए। यह विशेष अभियान वन्यजीवों की सुरक्षा और जंगलों में शांति बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम है। वन विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि वे अवैध शिकार जैसी गतिविधियों की सूचना तुरंत विभाग को दें।

म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम समाज का सकारात्मक प्रयास: हेमंत खंडेलवाल

संतुलन समिति की बैठक में बोले विधायक

बैतूल। म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम समाज का सकारात्मक प्रयास है और लंबे समय बाद बैतूल एक बड़ा कार्यक्रम हो रहा है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी को आगे आकर मदद करनी पड़ेगी उक्त आशय के विचार बैतूल विधायक और कार्यक्रम के संरक्षक हेमंत खंडेलवाल ने सामाजिक संस्था संतुलन की जायका रेस्टोरेंट में आयोजित बैठक में व्यक्त किए। श्री खंडेलवाल ने संतुलन समिति के द्वारा आयोजित म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहां की स्वस्थ्य रहने में म्यूजिकल थैरेपी का बड़ा योगदान रहता है। म्यूजिकल नाइट कार्यक्रम से शहर में अच्छा माहौल बनेगा और संगीत प्रेमियों के लिए यह अच्छा कार्यक्रम है। उन्होंने उपस्थित गणमान्य नागरिकों से कार्यक्रम में भरपूर सहयोग करने की अपील की है। बैठक में संतुलन समिति के अध्यक्ष सजल गर्ग ने बताया कि इस कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिए संस्था ने बैठक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अलग अलग केटेगिरी बनाई है और प्रवेश के पास सुविधा रखी है। कार्यक्रम में निजी सुरक्षा व्यवस्था रखी जाएगी और बाहर से बाउंसर बुलाए गए है। बैठक में आमंत्रित गणमान्य नागरिकों ने भी अपने सुझाव रखे जिसमें बैठक व्यवस्था ,पार्किंग को लेकर अच्छी व्यवस्थाएं बनाए। स्टूडेंट को प्रवेश पास में सुविधाएं दी जाए। बैठक में प्रमुख रूप से बैतूल विधायक और कार्यक्रम के संरक्षक हेमंत खंडेलवाल,संतुलन समिति के संस्थापक प्रशांत गर्ग,मुकेश खंडेलवाल,नवीन तातेड, सुनील शर्मा, अवध हजारे जगमोहन खंडेलवाल ,जितेंद्र पेशवानी, अरुण सिंह किलेदार, नवनीत गर्ग, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और समाज सेवी मौजूद थे।

मनुष्यों की सभी शंकाओं का समाधान करने वाला अनुपम ग्रंथ है गीता : चौहान

गीता जयंती पर निकली भव्य डिंडी, गांव में गूंजे गीता के श्लोक

आठनेर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के द्वारा गीता जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमद्भगवद्गीता को सिर पर रखकर डिंडी के साथ भव्य रैली निकालने से हुई। यह रैली पूरे गांव में निकाली गई, जिसमें ग्रामवासियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। रैली के दौरान ग्राम में जगह-जगह श्रीमद्भगवद्गीता की आरती

और पूजन किया गया। रैली का समापन गायत्री मंदिर में हुआ, जहां सभी ने गीता के बारहवें अध्याय का सामूहिक पाठ किया। इसके बाद भागवत भगवान की आरती की गई। मुख्य वक्ता परामर्शदाता आशुतोष सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि मार्गशीर्ष माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था। गीता में सात सौ श्लोक हैं और यह भीष्म पर्व के अंतर्गत आती है। उन्होंने बताया कि गीता मानव जीवन की हर शंका का समाधान करने वाला अनुपम ग्रंथ है। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े ने कहा कि गीता मानव जीवन को व्यावहारिक स्वरूप से जोड़ती है और आत्मविश्वास के साथ जीने की प्रेरणा देती है। गीता विश्व की सर्वाधिक भाषाओं में प्रकाशित होने वाला एकमात्र ग्रंथ है। कार्यक्रम में गणपतराव बोहरपी, रघुनाथ दवंडे, संजय अडलक, प्रयाग अडलक, तुलसीराम कोसे, बापूजी गावंडे, हेमलता दवंडे, अश्विनी माकोड़े, आकाश पाटिल, लक्खू सराटकर सहित बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गीता के उपदेशों को जीवन में अपनाने के संकल्प और प्रसादी वितरण के साथ हुआ।

गीता सर्व प्रवाहमान ज्ञान है, विश्व का सर्वोच्च ज्ञान गीता में है : संदीप शर्मा

गीता जयंती पर धार में आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

धार। गीता सर्व प्रवाह मान ज्ञान है, विश्व का सर्वोच्च ज्ञान गीता में है। गीता हमें सिखाती है कि हम अकर्मण्यता न करें, बल्कि कर्म करने की ही प्रेरणा दी। हमें गीता ने वह ज्ञान दिया है, जिसके माध्यम से हम संघर्ष करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। भगवान कृष्ण ने यह कहा है कि ''मैं हूं, मुझ पर भरोसा करो''। यह बात बुधवार रात को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार गीता जयंती के अवसर पर श्री विक्रम ज्ञान मंदिर धार में आयोजित जिला स्तरीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय कवि संदीप शर्मा ने कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने श्रीमद् भागवत गीता का पूजन और दीप प्रज्वलन करके किया। सभी का स्वागत पवित्र गीता व तुलसी के पौधे का गमले भेंट कर किया गया। शासन और जिला प्रशासन और जिला पुरातत्व, पर्यटन संस्कृति परिषद के माध्यम से आयोजित समारोह में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत तथा अनुभाविभागीय अधिकारी धार रोशनी पाटीदार उपस्थित रही। साथ ही अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अतिथियों का स्वागत प्रभारी कलेक्टर श्री चौधरी और अपर कलेक्टर श्री रावत ने किया। इस मौके पर भोज शोध संस्थान के निदेशक दीपेंद्र शर्मा ने कार्यक्रम की रूपेरखा प्रस्तुत की। आयोजन की भावना पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता श्री शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि बाल गंगाधर तिलक ने गीता के माध्यम से ही यह संदेश दिया था कि ''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा,। गीता ने यह संदेश दिया है कि जो हमारा अधिकार है, उसे कैसे प्राप्त किया जाए, जो असत्य और अनाचार है, उसे सहन नहीं किया जाये। असत्य और अधर्म के प्रति संघर्ष करते हुए सत्य और धर्म के लिए लड़ाई लड़नी होगी। इसके पूर्व संगोष्ठी में ध्यान योग विशेषज्ञ डॉ. आनंद रणद्विवे ने अपने विचार रखे।

इस मौके पर अपर कलेक्टर श्री रावत ने कहा कि गीता में जो धर्म युद्ध हुआ है, उससे कई प्रेरणादायक बातें सीखने को मिलती हैं। इसके माध्यम से संदेश मिलता है कि भगवान से भौतिक संपदा नहीं मांगी जाएं। यदि हम मांगना है तो स्वयं ईश्वर को ही मांगे, तो हमें सब कुछ मिल जाएगा। भगवान कृष्ण कहते हैं कि ''मेरी शरण में आओ, तो तुम्हें हर संकट से मुक्ति मिलेगी''। इस मौके पर संगोष्ठी में सेवानिवृत्त प्राचार्य हरिहर दत्त शुक्ला, नवीन शुक्ला और छात्रा कु. सिद्धि सातले ने भी अपने विचार रखें।

नृत्य नाटिका की प्रस्तुति आकर्षक रही

इस मौके पर नूपुर कला केंद्र की बालिकाओं ने श्री कृष्ण की लीला पर आधारित एक नृत्य नाटिका की मनभावन प्रस्तुति की। प्रस्तुति में नृत्य के माध्यम से बताया गया कि किस तरह से भगवान को भौतिक वस्तुओं की बजाए उनके प्रति समर्पण भाव से प्राप्त किया जा सकता है। इस नाटिका का बालिकाओं ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अतिथियों ने व्यापक स्तर पर लगाई गई चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। करीब 500 चित्रों को प्रदर्शन किया गया। इन चित्रों को एलइडी पर भी दिखाया गया। वहीं, जिला स्तरीय आयोजन में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित नागरिकों, शिक्षकों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी चित्रों का अवलोकन किया। सभी ने प्रदर्शनी की प्रशंसा की। संचालन जिला पुरातत्व, पर्यटन संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी प्रवीण शर्मा ने किया ।

यूपी के केमिकल और मार्बल व्यापारियों के 35 ठिकानों पर आईटी की रेड

लखनऊ। आयकर रिटर्न में आनाकानी करने वालों पर आयकर विभाग ने शिकंजा कसा है, करीब तीन दर्जन टीमें उत्तर प्रदेश के लखनऊ, हरदोई, मुरादाबाद सहित अन्य जिलों में करीब 35 ठिकानों पर केमिकल व मार्बल व्यापारियों के घर व गोदामों का सर्वे कर रही हैं। ऐशबाग के केमिकल व्यापारी विशाल स्वरूप हरदोई जिले के संडीला में दो फैक्ट्रियां इंडियन पेस्टीसाइड लिमिटेड व स्वरूप केमिकल का संचालन कर रहे हैं, ये फैक्ट्रियां 2021 में लगी और बड़ा टर्नओवर कर रही हैं लेकिन, उसके सापेक्ष आयकर नहीं दिया जा रहा। विभाग कई माह से इनकी निगरानी कर रहा था।

आयकर विभाग के सूत्रों ने बताया कि स्वरूप के ऐशबाग आवास, इंदिरा नगर में रह रहे फैक्ट्री के निदेशक व संडीला आदि स्थानों पर आयकर विभाग की कई टीमें सर्वे कर रही हैं। ऐसे ही एचएएल के सामने इंदिरा नगर में ही एके जैन व डीके जैन मार्बल्स के यहां भी आयकर विभाग की टीमें सर्वे कर रही हैं। इन पर भी आयकर रिटर्न दाखिल करने में गड़बड़ी करने का आरोप है।

नगालैंड के पूर्व मुख्य सचिव की ग्वालियर स्थित संपत्ति भारत सरकार के हवाले

ग्वालियर। नगालैंड में मुख्य सचिव रहे वर्ष 1968 बैच के आईएएस अधिकारी सुरेंद्र सिंह अहलूवालिया की बेनामी संपत्तियों में से एक ग्वालियर की प्रॉपर्टी अब भारत सरकार के हवाले की जाएगी। महारानी रोड पर स्थित यह प्रॉपर्टी उनके भाई इंद्रजीत सिंह के नाम है, जिसके बारे में विशेष अदालत की सुनवाई के दौरान इंद्रजीत ने कहा था कि उनके भाई से उनका कोई लेना-देना नहीं है। इस वजह से सीबीआई ने विशेष अदालत के हवाले से प्रॉपर्टी भारत सरकार के हवाले करने के लिए ग्वालियर कलेक्टर को लिखा है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है।बता दें कि अहलूवालिया पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में नगालैंड और दिल्ली में तैनाती के दौरान बेशुमार बेनामी संपत्ति जुटाने का आरोप लगा था। सीबीआई ने आरोप पत्र में दर्शाया था कि अहलूवालिया ने लोकसेवक के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश में कई संपत्तियां और भूमि अर्जित कीं।

33 साल चली सुनवाई

तलाशी के दौरान अवैध शस्त्र, गोला-बारूद बरामद होने पर वर्ष 2019 में अहलूवालिया को पांच साल की सजा सुनाई गई थी। वहीं, बेनामी संपत्तियों के मामले में दिल्ली स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में 33 साल चली सुनवाई में इसी वर्ष जुलाई में विशेष न्यायालय ने पंजाब के फिरोजपुर निवासी 90 वर्षीय अहलूवालिया को उनकी अधिक उम्र, मानसिक और शारीरिक बीमारी को देखते हुए मुकदमे के लिए अयोग्य करार देते हुए मामला बंद करने के निर्देश दिए थे।

भोपाल मंडल के रेलवे यूनियन मान्यता चुनाव के परिणाम घोषित

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में कर्मचारियों की यूनियनों को मान्यता प्रदान करने के लिए 4, 5 और 6 दिसंबर 2024 को गुप्त मतदान प्रक्रिया का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था । इस चुनाव में भोपाल मंडल और सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कार्यशाला के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

भोपाल मंडल में कुल 14,418 पात्र रेलकर्मियों में से 12,297 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि सीआरडब्ल्यूएस के 1,826 में से 1,729 कर्मचारियों ने मतदान किया। यह मतदान प्रक्रिया 26 पोलिंग बूथों पर आरपीएफ जवानों और सीसीटीवी निगरानी के तहत शांतिपूर्ण और व्यवधान-मुक्त तरीके से पूरी की गई।

12 दिसंबर 2024 को गुप्त मतदान चुनाव - 2024 की मतगणना सफलता पूर्वक संपन्न हुई। यह मतगणना अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री विजय सिंह, कार्मिक विभाग के अधिकारीगण, कार्यरत कर्मचारी एवं समस्त यूनियन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की गई।

भोपाल मंडल में चुनाव परिणाम

भोपाल मंडल में हुए मतदान में कुल 12,297 वैध मत पड़े।

1.पश्चिम मध्य रेल एम्प्लाइज यूनियन -3,995 वोट (32.49 प्रति.)

2.पश्चिम मध्य रेल मजदूर संघ-4,724 वोट (38.42 प्रति.)

3.पश्चिम मध्य रेल कर्मचारी परिषद -2,575 वोट (20.94 प्रति.)

4.पश्चिम मध्य रेल वर्कर्स यूनियन -745 वोट (6.06 प्रति.)

5.स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन -110 वोट (0.89 प्रति.)

अमान्य मत: 148 (1.20 प्रति.)

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कार्यशाला में चुनाव परिणाम:

सीआरडब्ल्यूस में हुए मतदान में कुल 1,729 वैध मत पड़े।

1.पश्चिम मध्य रेल एम्प्लाइज यूनियन -697 वोट (40.31 प्रति.)

2.पश्चिम मध्य रेल मजदूर संघ -621 वोट (35.91 प्रति.)

3.पश्चिम मध्य रेल कर्मचारी परिषद-157 वोट (9.08 प्रति.)

4.पश्चिम मध्य रेल वर्कर्स यूनियन -237 वोट (13.70 प्रति.)

5.स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन -1 वोट (0.05 प्रति.)

अमान्य मत: 16 (0.92 प्रति.)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न करने के लिए विशेष प्रयास किए गए। यह कदम रेलवे कर्मचारियों के हितों को सुनिश्चित करने और उनकी यूनियन की मान्यता प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

आईएएस अफसरों की सर्विस मीट 20 दिसंबर से

प्रशासन अकादमी, मिंटो हॉल और अरेरा क्लब में होंगे मुख्य कार्यक्रम; सीएम भी शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। राज्य सरकार के जनकल्याण अभियान के बीच प्रदेश के सभी कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संभागायुक्त और राजधानी में पदस्थ आईएएस अफसर 20 से 22 दिसंबर तक भोपाल में जुटेंगे। तीन दिन चलने वाले इस आयोजन में अलग-अलग फन गेम्स का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रशासन अकादमी से होगी, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं। यह मुख्यमंत्री यादव के कार्यकाल में होने वाली पहली आईएएस सर्विस मीट होगी।

मध्य प्रदेश आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा हर साल आयोजित होने वाली सर्विस मीट की तारीख तय कर ली गई है, हालांकि कार्यक्रमों की रूपरेखा फाइनल होना बाकी है। साल 2024 की यह सर्विस मीट 2 फरवरी से शुरू होने वाली थी, लेकिन आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने इसे टाल दिया था। इस बार 20 से 22 दिसंबर के बीच आयोजन की तारीखें तय की गई हैं। पिछले साल नई सरकार बनने और लोकसभा चुनाव की तैयारियों के कारण सर्विस मीट नहीं हो सकी थी।

भाजपा सरकार की उपलब्धियां होती तो विजयपुर में मंत्री नहीं हारते : जीतू पटवारी

मोहन सरकार का एक साल बीता, मध्य प्रदेश की जनता का हाथ रीता का रीता

भोपाल। प्रदेश में पिछले एक साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जनता से किए एक भी वादे को पूरा नहीं किया है। हमने एक साल में बेटियों का बलात्कार होते देखा, बच्चे, बच्चियों को ग़ायब होते देखा, माफ़िया राज हावी होते देखा, हमने मध्य प्रदेश में ड्रग्स उद्योग को पनपते भी देखा। कानून व्यवस्था की बदतर हालात को देखा,ऐसी विषम परिस्थिति में भी भाजपा और मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी उपलब्धियां गिना रहे हैं जो की शर्मनाक है। उपलब्धियां होती तो विजयपुर में सरकार का मंत्री भारी अंतर से चुनाव नहीं हारता और शिवराजजी,आपके और प्रशासन के पूरे प्रयासों के बाद भी बुधनी उपचुनाव में भाजपा का प्रत्याशी हारते हारते मुश्किल से जीता! ये भाजपा की मोहन यादव सरकार की नाकामी का जीता जागता सबूत है।

उक्त बातें मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज जारी एक बयान में कही। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में क्राईम, कर्ज और करप्शन की सरकार चल रही है। पिछले एक साल मे मोहन सरकार की कोई भी उपलब्धि उल्लेखनीय नहीं है उल्टा जनता के हाथ ख़ाली के ख़ाली है। श्री पटवारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के राज में करप्शन की कोई सीमा नहीं है। करप्शन की धुरी ऊपर से लेकर नीचे तक जाती है। जो वल्लभ भवन से प्रारंभ होकर छोटे कर्मचारी तक करप्शन की धुरी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक साल पहले जनता को मूलभूत सुविधाएं देने के साथ, अन्य जनहितैषी योजनाओं को लेकर जो संकल्प पत्र जारी किया था वह पुरी तरह से फ्लॉप हो गया है! मोहन सरकार ने अपने संकल्प पत्र के विपरीत प्रदेश के हर वर्ग को धोखा दिया है। श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार ने लाड़ली बहनों को 3000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया था लेकिन वो वादा आज तक पूरा नहीं हुआ। भाजपा ने संकल्प पत्र में कहा था कि 450 रुपया में गैस का सिलेंडर देंगे लेकिन मध्य प्रदेश की जनता महँगा सिलेंडर खरीदने को मजबूर है। किसानों को गेहूं और धान के 2700 और 3100 रू. देने की बात हो, युवाओं को रोजगार देने की बात हो या पत्रकार साथियों को 60 साल की आयु के बाद 20 हजार रूपये पेंशन देने की बात हो भाजपा ने सभी के साथ धोखा किया है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा की वादा खिलाफी के विरुद्ध कांग्रेस जवाब दो, हिसाब दो के नाम से 16 दिसम्बर को प्रदेशव्यापी महामार्च निकालकर विधानसभा का घेराव करेगी और सरकार को मजबूर किया जायेगा कि जनता से जो वादे किये उसे वह पूरा करे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश एक साल के अंदर बद से बदहाल स्थिति में पहुँच गया है चाहे वो किसानों की बात हो महिलाओं की बात हो, नौजवानों की बात हो, बेरोज़गारी की बात हो, हर वर्ग समाज आज पीड़ित है उसमें चाहे आदिवासी हो, दलित हो, माताएँ-बहनें हो, भाजपा सरकार किसी को भी संरक्षण देने में नाकाम रही है।

भोपाल के सीएम राइज स्कूल में छेड़छाड़, टीचर हिरासत में

3 स्टूडेंट्स के परिजन सामने आए, बोले-सर गंदे काम करने को कहते हैं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बरखेड़ी स्थित सीएम राइज रशीदिया स्कूल में स्टूडेंट्स के परिजन ने गुरुवार सुबह हंगामा कर दिया। पेरेंट्स ने एक टीचर पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक आशुतोष पांडेय को हिरासत में ले लिया है।

टीचर के स्कूल से निकालते समय भीड़ ने हमला करने की कोशिश भी की। बच्चों के परिजन ने चप्पल से उसे पीटने का प्रयास किया। इस मामले में परिजन शिकायत दर्ज कराने जहांगीराबाद थाना पहुंचे हैं। मामले में अब तक तीन पीड़ित बच्चों के परिजन सामने आए हैं। इन्होंने टीचर पर बच्चों के शोषण का आरोप लगाया है। उनका दावा कि कई अन्य बच्चों के साथ भी आरोपी टीचर गंदी हरकत कर चुका है।

जानकारी के मुताबिक टीचर आशुतोष पांडेय गुरुवार को स्कूल में ही थे। छठवीं का छात्र रोता हुआ घर पहुंचा, उसने परिजन को टीचर के अश्लील हरकत करने की बात बताई। छात्र ने दावा किया शिक्षक की करतूत के कारण उसके मुंह में छाले हो गए हैं। गुस्साए परिजन शिकायत लेकर स्कूल पहुंचे।

महिला बोली- बेटी से अनर्गल हरकतें करता है- एक छात्रा कि मां ने बताया कि उनकी बेटी इसी स्कूल में छठवीं कक्षा में पढ़ती है। आरोपी शिक्षक आए दिन बेटी को हाथ के बल दीवार के सहारे खड़ा होने को बोलता है। इससे बच्ची के कपड़े नीचे हो जाते हैं। वो आए दिन बच्ची से अनर्गल बातें और हरकतें करता है।

टीचर पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा- परिजन को स्कूल के अंदर जाने से रोक दिया गया। इसकी जानकारी बाकी पेरेंट्स को लगी तो वह भी स्कूल पहुंच गए। इस दौरान टीचर पर कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। बाद में प्रिंसिपल केडी श्रीवास्तव ने पुलिस को बुलाकर शिक्षक को पुलिस के हवाले किया।

बीस साल से एक ही स्कूल में पदस्थ है टीचर- आरोपी शिक्षक आशुतोष पांडेय बीते बीस सालों से इसी स्कूल में पदस्थ है। पहले इस स्कूल को रशीदिया स्कूल के नाम से जाना जाता था। अब इसे सीएम राइज स्कूल कहा जाने लगा है। अगले साल आरोपी का रिटायरमेंट है। जहांगीराबाद थाना प्रभारी आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि शिकायत मिल गई है। जांच की जा रही है। जांच में आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एम्स में दुर्लभ बीमारी सीटीईपीएच का इलाज

डॉक्टरों ने मरीज के खून के प्रवाह को रोका, दिल और फेफड़ों को मशीन से दिया सपोर्ट

भोपाल (नप्र)। क्रोनिक थ्रोम्बोएम्बॉलिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन (सीटीईपीएच) से पीड़ित 27 साल का मरीज एम्स पहुंचा। उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। इस दुर्लभ रोग में इलाज में देरी मौत का कारण तक बन सकती है।

ऐसे में विशेषज्ञों की टीम ने मरीज का तत्काल इलाज शुरू किया। खून के प्रवाह को पूरी तरह रोक दिया गया। मरीज के हार्ट और फेफड़ों को सपोर्ट देने के लिए एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सिजनेशन (एकमो) मशीन पर रखा गया। इस दौरान फेफड़ों और हृदय की कार्यक्षमता को बाहर से संचालित किया जाता है।

मरीज में खून के थक्के को हटाया गया। इससे उसकी जान बच सकी। यह ऑपरेशन कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में हुआ। सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। एनेस्थीसिया टीम से पूजा सिंह व परफ्यूजनिस्ट वेदांत इनामदार और सुषमा सिंह भी सर्जरी का हिस्सा रहे।

क्या है सीटीईपीएच- क्रोनिक थ्रोम्बोएम्बॉलिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन (सीटीईपीएच) एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। यह फेफड़ों की धमनियों में रक्त के थक्कों के कारण होती है। यह बीमारी फेफड़ों की धमनियों में रक्त के प्रवाह को रोक देती है। इससे फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। हृदय पर दबाव बढ़ जाता है।

एम्स भोपाल ने एपीकॉन 2024 प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में समग्र स्वास्थ्य देखभाल में माइंड-बॉडी मेडिसिन और योग की भूमिका को किया प्रस्तुत

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में, संस्थान ने चिकित्सा शिक्षा में पारंपरिक अभ्यासों जैसे योग और माइंड-बॉडी मेडिसिन को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत किया है। एपिकॉन 2024 के प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में, एम्स भोपाल ने समग्र स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के अपने संकल्प को 'माइंड-बॉडी मेडिसिन का समन्वयः ध्यान और माइंडफुलनेस केमाध्यम से एक वैज्ञानिक अन्वेषण' शीर्षक वाले सत्र के माध्यम से प्रदर्शित किया। यह सत्र 10 दिसंबर 2024 को ईएसआईसी कॉलेज, चेन्नई में आयोजित हुआ और इसमें एम्स भोपाल के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा, जो टीम लीडर के रूप में थे, के अलावा, एम्स मदुरै के डॉ. सेंथिल कुमार, एम्स दिल्ली के डॉ. राज कुमार यादव, और एसएमआईएमएस की डॉ. सुप्रभा शर्मा भी शामिल थे। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को मानसिक स्पष्टता, शांति और आंतरिक संतुलन को बढ़ावा देने वाले माइंडफुलनेस अभ्यासों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य आकर्षण में चेयर योग और प्राणायाम का प्रदर्शन, प्रार्थना, मंत्रोच्चार, गहरी सांस लेने और

विजुअलाइजेशन जैसी तकनीकों को शामिल करते हुए एक गाइडेड मेडिटेशन सत्र, और हार्टफुलनेस कार्यशाला शामिल थी, जो प्राणाहुति (ट्रांसमिशन) ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक विकास और आंतरिक परिवर्तन पर केंद्रित थी।

इस कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, प्रो. सिंह ने कहा, 'एम्स भोपाल पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान को जोड़कर चिकित्सा शिक्षा के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। योग और मन-शरीर चिकित्सा केवल उपचारात्मक उपकरण नहीं हैं, बल्कि वे स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा को फिर से परिभाषित करने वाली परिवर्तनकारी प्रथाएं हैं। यह कार्यशाला प्रतिभागियों को 'योग एडिक्शन की दुनिया' को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को जोड़ने वाली एक परिवर्तनकारी यात्रा है।' इस सत्र ने योग और मन-शरीर चिकित्सा को मुख्यधारा के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शामिल करने के विस्तृत दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया। चर्चा में यह बताया गया कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने पहले ही देश भर में स्नातक छात्रों के लिए योग को अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही, एमडी शरीर क्रिया विज्ञान पाठ्यक्रम में योग को शामिल करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई, जिसमें प्री-क्लिनिकल विभागों में दो सप्ताह के वैकल्पिक पोस्टिंग जैसे अभिनव विचार शामिल हैं। कार्यशाला ने योग को जीवन शैली से चिकित्सा शिक्षा का एक अभिन्न हिस्सा बनने के रूप में उभरते हुए दिखाया और इसे 'आत्म-परिष्कार और आत्म-शुद्धिकरण' की प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया।

एम्स भोपाल ने राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई के सहयोग से जन स्वास्थ्य के लिए सिद्ध जागरूकता शिविर का किया आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान ने 12 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई और एम्स भोपाल के आयुष विभाग द्वारा आयोजित सिद्ध जागरूकता और स्वास्थ्य शिविर की मेजबानी की। शिविर में रोगियों को मुफ्त परामर्श और सिद्ध औषधियों का वितरण किया गया, जिसका उद्देश्य सिद्ध चिकित्सा पद्धति और उसके लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम 8वें सिद्ध दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जो 19 दिसंबर 2024 को मनाया जाएगा। सिद्धर अगथियार, जिन्हें सिद्ध चिकित्सा का जनक माना जाता है, को इस दिन सम्मानित किया जाता है, और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा हर वर्ष इसे सिद्ध दिवस के रूप में मनाने की स्वीकृति दी गई है। इस वर्ष के सिद्ध दिवस का विषय 'सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सिद्ध' है, जिसका लक्ष्य रोगियों, छात्रों, संकाय और आम जनता के बीच सिद्ध चिकित्सा के लाभों को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सिंह ने किया, जिन्होंने रोग प्रबंधन में पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। प्रो. सिंह ने स्कूलों, मॉल्स, दूरदराज के क्षेत्रों में ऐसे शिविर आयोजित करने की आवश्यकता और आयुष प्रणाली को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, 'वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करके और दूरदराज के क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि ये प्राचीन पद्धतियां समकालीन चिकित्सा के साथ मिलकर बेहतर रोगी परिणाम प्रदान करें।'

कुल 212 मरीजों को पाचन, मस्कुलोस्केलेटल, त्वचा, श्वसन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श और उपचार प्रदान किया गया। मरीजों को सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए एक औषधि किट भी प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों पर रोकथाम संबंधी सलाह वाले पर्चे वितरित किए गए। शिविर का आयोजन एम्स भोपाल के आयुष विभाग के चिकित्सा पेशेवरों द्वारा किया गया, जिनमें डॉ. दानिश जावेद, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी; डॉ. ऐश्वर्या ए, चिकित्सा अधिकारी (सिद्ध); डॉ. रंजना पांडेय, चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद); डॉ. आशीष दीक्षित, चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी); डॉ. बरकती मोहम्मद तारिक, चिकित्सा अधिकारी (यूनानी); डॉ. मुद्दा सोफिया, चिकित्सा अधिकारी (योग और प्राकृतिक चिकित्सा) और विभाग के सहायक कर्मचारी शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य पूरे देश में सिद्ध चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा देना और प्रचारित करना था, खासकर उन मरीजों के बीच जो देश के विभिन्न कोनों से उपचार के लिए एम्स भोपाल आते हैं।

जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को राहत

इन 28 ट्रेनों में अब 2 की बजाय होंगे 4 जनरल कोच

भोपाल (नप्र)। जनरल कोच में यात्रा करने वालों के लिए राहत की खबर है। रेलवे ने मध्य प्रदेश के स्टेशनों से चलने व गुजरने वाली 28 ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या में इजाफा किया है। इन 28 ट्रेनों में अब 2 की बजाय 4 जनरल कोच होंगे। भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि सामान्य कोच

में सफर करने वाले रेल यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने यह निर्णय लिया है। इसके अलावा जनरल कोच में यात्रा करने वाले यात्री यूटीएस एप से अपने टिकट भी बुक कर सकते हैं।

सीएम के ओएसडी और सुशासन स्कूल के सीईओ ने घरेलू वजह से दिया इस्तीफा

भोपाल (नप्र)। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल के प्रभारी सीईओ और मुख्यमंत्री के ओएसडी लोकेश शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने 31 दिसम्बर तक का नोटिस मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजा है। शर्मा के इस्तीफे के बाद अब इस संस्थान के उपाध्यक्ष और नए सीईओ का पद भरा जाएगा। पिछले साल संस्थान के उपाध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने इस्तीफा दे दिया था। तब से इस पद पर किसी को जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है।

सुशासन स्कूल के प्रभारी सीईओ को राज्य शासन ने सीएम के ओएसडी के साथ सुशासन स्कूल में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी की जिम्मेदारी सौंप रखी थी। इसके बाद फरवरी 2024 में आईएएस अफसर स्वतंत्र कुमार सिंह को हटाए जाने के बाद से यहां सीईओ की पोस्टिंग नहीं हुई तो शर्मा के पास सीईओ का भी अतिरिक्त प्रभार था।

शर्मा ने कहा कि वे पिछले तीन माह से यहां की सेवा से मुक्त होना चाह रहे थे। इसकी वजह पारिवारिक है। परिवार के सदस्य दिल्ली में रहते हैं। इसकी सहमति मिलने के बाद अब इस्तीफा दे दिया है और 31 दिसम्बर तक नोटिस पीरियड की सेवाएं देंगे। शर्मा ने अपने कार्यकाल में विवादों को लेकर कहा कि कभी किसी तरह का विवाद नहीं रहा है। सरकार की मंशा के मुताबिक काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्तीफे की वजह निजी है, भले ही उसे कोई अन्य रूप में बताया जाए।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भगत सिंह कुशवाह के कार्यालय का सामान बाहर फेंका

भोपाल (नप्र)। नारायण सिंह कुशवाह 50 -60 समर्थकों के साथ पहुंचे । कार्यालय का सामान भी तोड़ा गया। यह मामला टीटी नगर थाना क्षेत्र का है, कुशवाह भवन को 2026 तक किराए से लिया था। यह भवन सेकंड स्टॉप स्थित अंजली कॉम्प्लेक्स के पास बना है। कुशवाह भवन में बने ऑफिस में की तोड़फोड़ की गई। योगेश मानसिंह कुशवाह के कहने पर एकत्रित हुए थे लोग।

ग्राम पंचायतों को क्रियाशील बनाया जाए : मुख्यमंत्री

● विवाद रहित ग्राम पंचायतों को पांच-पांच लाख रुपए मिलेंगे ● आगामी 26 जनवरी तक ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान ● ग्राम पंचायतों में किसी भी तरह की कोई समस्या शेष न रहे ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से उज्जैन दक्षिण विधान सभा की ग्राम पंचायतों के सरपंचों से चर्चा की

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहां है कि जिन ग्राम पंचायत में कोई विवाद नहीं होगा, जिन ग्राम पंचायत में कोई झगड़ा नहीं होगा, एक ग्राम पंचायतों को पांच - पांच लाख रुपए दिए जाएंगे। इन ग्राम पंचायतों को वृंदावन ग्राम योजना से भी लाभान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को उज्जैन के एनआईसी कक्ष से वीसी द्वारा उज्जैन दक्षिण विधानसभा की ग्राम पंचायतों के सरपंचों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने वीसी में कहा कि मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान आगामी 26 जनवरी 2025 तक चलेगा। इसमें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण जनों को अवगत कराया जाएगा तथा हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सभी पंचायतों को क्रियाशील बनाना है- वीसी में उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिले की 589 ग्राम पंचायतों में निरंतर कैंप लगाए जा रहे हैं। दक्षिण विधान सभा की सभी पंचायतों में वीडियो कॉन्फ्रेंस की सुविधा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा लैकोड़ा ग्राम पंचायत, तालोद ग्राम पंचायत के सरपंच से चर्चा की गई। बताया गया कि तालोद में फतेहाबाद तक की सड़क का निर्माण हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने वीसी में कहा कि सरपंच, ग्राम

पंचायतों में निरंतर भ्रमण करें। हितग्राहियों से चर्चा करें और उनकी समस्याओं को सुनकर, समय सीमा में उनका समाधान करें। वीसी में जानकारी दी गई की ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने ग्राम टंकारियापंथ के सरपंच और पटवारी से चर्चा की। ग्राम पंचायत उमरिया खालसा में जैन मुनियों के लिए अतिथि कक्ष भी बनवा दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में अतिथि कक्ष बनवाया जाए। वर्तमान में जो वेब सीरीज बनाई जा रही है उनमें उज्जैन की ग्राम पंचायतों में भी शूटिंग के लिए की जाए।

ग्राम पंचायत करोहन के सरपंच से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचकोशी यात्रा मार्ग में आने वाली सभी ग्राम पंचायतों को पंचकोशी राशि दिलवाई जाए। मुख्यमंत्री ने वीसी में कहा की सभी पटवारियों को याद रहना चाहिए कि उनके पटवारी हल्के की ग्राम पंचायतों में बंजर भूमि, रकबे की जमीन, आबादी की जमीन कितनी है? उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत में स्थित शासकीय जमीन का रिकॉर्ड निकाला जाए तथा वहां भविष्य को ध्यान में रखते हुए क्या विकास के कार्य किया जा सकते हैं इस पर परियोजनाएं बनाई जाएं। सभी ग्राम पंचायतों में बेरोजगार पुरुष और महिलाओं की सूची बनाई जाए। कितने लोग पढ़े लिखे हैं, कितने अनपढ़ हैं, वहां पर थानों की क्या स्थिति है, इसकी जानकारी अप-टू-डेट रखी जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्नत किसानो की जानकारी, महिला पुरुष की शिक्षा, रोजगार संबंधि, मेरिट मे आये बच्चो की जानकारी, अस्पताल, स्कूल, जमीन का रकबा, फसलों के सम्बंधी भी जानकारी भी अपडेट रखने को कहा। मुख्यमंत्री ने वीसी में निर्देश दिए की ग्राम पंचायतों में सामूहिक विवाह के आयोजन कराए जाएं। आगामी वसंत पंचमी पर भव्य स्तर पर सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाए। लोगों को जागरूक किया जाए कि वे शादी और मृत्यु भोज पर अनावश्यक रुपया बर्बाद ना करें, बल्कि इनका उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई में करें ।मुख्यमंत्री के द्वारा ग्राम पंचायत पंथपिपलाई, खेमासा के सरपंचों से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी तरह की कोई समस्या स्थानीय नागरिकों को नहीं आनी चाहिए। वीसी में जानकारी दी गई की असलाना ग्राम पंचायत में बिजली के तार टूट रहे हैं ,इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत इनकी मरम्मत करवाए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशासनिक संकुल भवन में 1 वर्ष की उपलब्धि पर आधारित जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदर्शनी की प्रशंसा की।

योग मनोयोग से होता है, सहयोग से नहीं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

योग मार्ग पर सब चले, योग हमारे जीवन की बदलता है दिशा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को प्रातः उज्जैन में योग ऋषि स्वामी रामदेव बाबा के शिष्य डॉ. स्वामी परमार्थ देव महाराज के सानिध्य में होमगार्ड मैदान में निशुल्क (इंटीग्रेटेड) योग शिविर में शामिल होकर योग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योग मनोयोग से होता है, सहयोग से नहीं। योग मार्ग पर सब चले। योग हमारे जीवन की दिशा बदलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फ्रीगंज का नवीन ब्रिज 21 मी. चौड़ा बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योग करने के बाद संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन निवासी बड़े भाग्यशाली हैं, जो भगवान श्रीमहाकाल, भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली में निवास करते हैं। उन्होने कहा कि परमात्मा ने हमें जो मनुष्य देह दी है उसे सम्भालना अवश्यक है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही योग का बड़ा महत्व रहा है। श्री रामदेव बाबा ने योग को हमारे देश में ही नहीं विदेशों में भी अत्यंत लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने कहा कि 21 जून को योग दिवस और 21 दिसम्बर को ध्यान दिवस मनाया जायेगा, दोनों तिथियां उत्तरायण एवं दक्षिणायान के लिए महत्व रखती है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भौतिकवाद के साथ-साथ प्राचीन विरासत को सम्हालते हुए देश का निरंतर विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। प्रदेश के विकास के साथ-साथ उज्जैन का भी निरंतर विकास जारी है। योग, कुविचार एवं कुरीतियों को खत्म करता है। विधाता ने जन्म दिया है तो सबकी मृत्यु का समय भी नियत किया है, इसलिए हमें अच्छे कार्य करना चाहिए। प्रदेश के साथ-साथ उज्जैन को एक के बाद एक नई नई सौगाते मिल रहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 को देखते हुए होमगार्ड के लिए नवीन जगह उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बढ़ते अपराधों से अराजकता का माहौल, कांग्रेस ने आरोप लगाया

नल-जल योजना के भ्रष्टाचार से बनेगा भाजपा कार्यालय

(श्याम त्रिवेदी)

झाबुआ। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करने और सरकार को नींद से जगाने के लिए कांग्रेस का प्रदेशव्यापी विधानसभा घेराव आगामी 16 दिसम्बर को राजधानी भोपाल में व्यापक स्तर पर रखा गया है। जिसमें प्रदेश भर से लाखों कार्यकर्ता शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। ग्रेवाल ने कहा कि प्रदेश की जनता पर विभिन्न तरह के टैक्सों के माध्यम से आर्थिक बोझ लादा जा रहा है। बढ़ते अपराधों से प्रदेश में अराजकता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि खाद, बीज की कालाबाजारी की जा रही है। किसानों द्वारा आवाज उठाने पर उन्हें बेरहमी से पीटा जा रहा है। प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों पर बढ़ते अपराध से प्रदेश की बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। लाखों की संख्या में नौकरी देने का वादा करने वाली

तत्कालीन शिवराज सरकार और वर्तमान मोहन यादव सरकार मे पिछले चार साल मे एक भी सरकारी नौकरी किसी भी युवा को नहीं मिली है।

विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा के बड़े नेता यहां आए और यहां आकर उन्होंने किसी गरीब के आंसू नहीं पोंछे वो चार करोड़ का बीजेपी कार्यालय बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ये चार करोड भ्रष्टाचार की भेंट चढी नल-जल योजना से आएंगे। नल-जल योजना से बनाई गई पानी की टंकियों मे पानी नहीं आता। टंकियों के बहाने पीएचई विभाग हैंडपंप भी नहीं खोद रहा है। भाजपा कार्यालय के लिए आवंटित जमीन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जिस जमीन पर भाजपा के कार्यालय को बनाने की बात की जा रही है वो उद्योग विभाग की थी। विधायक डॉ भूरिया ने कहा कि आप चार करोड के बीजेपी कार्यालय की बात कर रहे है और हकीकत यह है कि अतिथि शिक्षकों को उनकी पगार नहीं मिल पा रही है। नगर पालिका के कर्मचारियों को महिनों से पगार नहीं मिल पा रही है। मप्र की सरकार पर चार लाख करोड़ का कर्ज है। इसे कौन भरेगा।

मोहन सरकार के एक साल पर विशेष

मध्यप्रदेश का लक्ष्य: सशक्त स्वास्थ्य सेवाओं से स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण

राजेन्द्र शुक्ल

लेखक मध्यप्रदेश उप मुख्यमंत्री हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच है कि भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाने के लिए सबसे पहले उसके नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होना चाहिए। यही कारण है कि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और सभी नागरिकों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी उद्देश्य के तहत मध्यप्रदेश में भी राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य का उद्देश्य है कि न केवल नागरिकों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाए, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य के प्रति अधिक सचेत और सक्रिय बनाया जाए। यह दृष्टिकोण केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि लोगों को बीमारी से पहले ही रोकथाम के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

स्वास्थ्य सुविधाओं तक सुगम और सुलभ पहुंच सुनिश्चित करना- मध्यप्रदेश सरकार सभी नागरिकों तक सुलभ और गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के लिए सतत प्रयास कर रही है। स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक के लिए न केवल सुलभ हों, बल्कि किफायती भी हों, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । इसके तहत ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHC) को जिला अस्पतालों के समकक्ष सुविधाओं से लैस करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को छोटी बीमारियों के लिए जिला या बड़े अस्पतालों में जाने की आवश्यकता न हो। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अपने ही इलाके में इलाज मिल सकेगा, बल्कि जिला अस्पतालों पर भी दबाव कम होगा।

सक्रामक और गैर-संक्रामक बीमारियों के प्रबंधन में सुधार और बेहतर प्रबंधन के प्रयास किये जा रहे हैं। आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाओं को भी सशक्त किया जा रहा है। वर्तमान में राज्य के स्वास्थ्य संस्थानों में 162 गहन चिकित्सा इकाइयाँ (ICUs) संचालित हो रही हैं, जिनमें 1,584 ICU बेड और 1,003 वेंटिलेटर की व्यवस्था की गई है। यह सुविधाएं गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। सरकार का लक्ष्य है कि ICU और अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की संख्या में वृद्धि की जाए और आवश्यकतानुसार उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और उपकरणों का विस्तार- मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है। इसके तहत सीटी स्कैन और डायलिसिस जैसी विशेष सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। CHC स्तर के ऊपर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में कंप्यूटराइज्ड रेडियोग्राफी (CR) प्रणाली की सुविधा दी जा रही है ताकि सटीक और समय पर निदान संभव हो सके। इसके अलावा, चुने गए जिला अस्पतालों में MRI, इकोकार्डियोग्राफी, और लैप्रोस्कोपिक सेवाओं की व्यवस्था की जा रही है। राज्य के कुछ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में LINAC, CT, MRI और PET CT स्कैन सेवाओं की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे गंभीर बीमारियों का उन्नत उपचार संभव हो सकेगा। इसके अलावा, कैंसर जैसे गंभीर रोगों के लिए 42 एंटी-कैंसर दवाओं की समयबद्ध डिलीवरी की व्यवस्था भी की गई है, जिससे मरीजों को सही समय पर दवा मिल सके।

चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता - मध्यप्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी एक बड़ी चुनौती है। राज्य के कई सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण नागरिकों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलने में असुविधा होती है। सरकार इस समस्या से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत नए डॉक्टरों की भर्ती की जा रही है और उन्हें आकर्षक वेतनमान, बेहतर कार्य सुविधाएं और अन्य प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं ताकि वे सरकारी सेवा में आकर अपना योगदान दें। साथ ही, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है ताकि अधिक से अधिक डॉक्टर तैयार हो सकें।

इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार चिकित्सकों को समय-समय पर प्रमोशन और वेतन वृद्धि के माध्यम से भी प्रोत्साहित कर रही है। वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य में 1,607 नए डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है और सितंबर 2024 तक 1,902 बॉन्ड डॉक्टरों की नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं और इससे राज्य में चिकित्सकों की कमी को दूर किया जा सकेगा।

मातृ और शिशु स्वास्थ्य में सुधार- मध्यप्रदेश में मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। राज्य की मातृ मृत्यु दर (MMR) 173 है, जो कि राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसे कम करने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सतत विकास लक्ष्यों (SDG) 2030 को प्राप्त करने के उद्देश्य से IPHS 2022 मानकों के तहत स्वास्थ्य सेवाओं और मानव संसाधनों का उन्नयन किया जा रहा है। इसके साथ ही, सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग को एकीकृत किया है ताकि बेहतर समन्वय और प्रबंधन हो सके।

महिलाओं की गर्भावस्था और शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। राज्य सरकार ने 62 विशेष नवजात देखभाल इकाइयाँ (SNCU) स्थापित की हैं, जहां गंभीर रूप से बीमार नवजातों का इलाज किया जा रहा है। इसके अलावा, 199 नवजात

स्थिरीकरण इकाइयाँ (NBSU) भी स्थापित की गई हैं, जो मातृत्व वार्ड के निकट स्थित हैं ताकि बीमार और कम वजन वाले नवजातों का बेहतर देखभाल किया जा सके। शिशुओं के इलाज के लिए राज्य भर में 64 बाल गहन चिकित्सा इकाइयाँ (PICU) भी स्थापित की गई हैं। हाई रिस्क प्रेगनेंसी का समय से चिन्हांकन कर बेहतर प्रबंधन की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सके।

आयुष्मान भारत योजना ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में लाया है क्रांतिकारी बदलाव - आयुष्मान भारत योजना के तहत, मध्यप्रदेश में अब तक 22.22 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। आयुष्मान कार्ड जारी करने में राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। यह योजना गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है। वर्तमान में, राज्य के 1,048 स्वास्थ्य सेवा प्रदाता सूचीबद्ध हैं, जिनमें 493 सार्वजनिक अस्पताल और 555 निजी अस्पताल शामिल हैं। इस योजना के तहत 1,952 स्वास्थ्य लाभ पैकेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें कैंसर, हृदय रोग, उच्च जोखिम गर्भावस्था, किडनी की बीमारियों और अन्य महंगे उपचार शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान योजना में शामिल करने का प्रावधान किया है। यह वरिष्ठ नागरिकों के देश के विकास में योगदान का सम्मान है। वृद्धजन सहित सभी नागरिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि गंभीर बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके और उनका सही उपचार हो सके। नियमित चिकित्सा जांच करवाना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सकीय जांच सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वर्तमान में, जिला अस्पतालों और सिविल अस्पतालों में 132 प्रकार की जांच सेवाएं उपलब्ध हैं, जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 80 प्रकार की जांचें की जा रही हैं। प्रदेश में 324 हब और 1610 स्पोक स्थापित किए गए हैं, जहाँ प्रतिदिन 35,000 से अधिक जांचें जिला स्तर पर और 32,000 से अधिक जांचें हब और स्पोक पर हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, सभी जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस, सीटी स्कैन और डिजिटल एक्स-रे की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे रोगियों को समय पर और निःशुल्क जांच की सुविधाएं मिल रही हैं।

इसके साथ ही, निःशुल्क दवाओं की उपलब्धता में भी अभूतपूर्व सुधार हुआ है। जिला अस्पतालों में दवाओं की संख्या 295 से बढ़ाकर 530 की गई है, सिविल अस्पतालों में 448, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 373 और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 299 प्रकार की दवाएँ निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ग्लोबल मेडिसिटी योजना और चिकित्सा पर्यटन का विकास- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की ग्लोबल मेडिसिटी योजना के तहत मध्यप्रदेश में मेडिकल हब का विकास किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देना है। यह हब राज्य के प्रमुख शहरों में स्थापित किए जाएंगे और चिकित्सा पर्यटन के माध्यम से राज्य को एक वैश्विक स्वास्थ्य गंतव्य के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। इन मेडिसिटी हब में अत्याधुनिक सुपरस्पेशलिटी और मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, आयुष चिकित्सा सेवाएं, OPD और डे केयर सेंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मेडिकल कॉलेजों का विस्तार- राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में 14 सरकारी मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं और तीन नए मेडिकल कॉलेजों (सिवनी, नीमच और मंदसौर) को वर्तमान शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ किए गये हैं। इसके अलावा, आठ अन्य मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं जो अगले तीन वर्षों में स्थापित किए जाएंगे।

सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत भी 12 अंडर-सर्व्ड जिलों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की योजना बनाई है। इसके तहत जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेजों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मॉडल के माध्यम से सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को दूरदराज के और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाना चाहती है, जिससे वहां की आबादी को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

इन सभी प्रयासों के माध्यम से, मध्यप्रदेश न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेगा। सरकार का यह प्रयास है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों और राज्य को एक मजबूत और स्वस्थ समाज की दिशा में अग्रसर किया जा जा सके।

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार के माध्यम से मध्यप्रदेश को देश में स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया जाए। सरकार के इन प्रयासों से न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में भी नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। इसके साथ ही, राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, विशेषकर गरीब और वंचित वर्गों को, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके और उनकी जीवनशैली में सुधार हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, मध्यप्रदेश सरकार निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजनाएं न केवल राज्य की जनता के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, बल्कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। इन प्रयासों के साथ, सरकार का लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश न केवल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अग्रणी बने, बल्कि एक सशक्त और स्वस्थ समाज की स्थापना कर देश की प्रगति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।